(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

बोल्ड की जगह दमदार...8

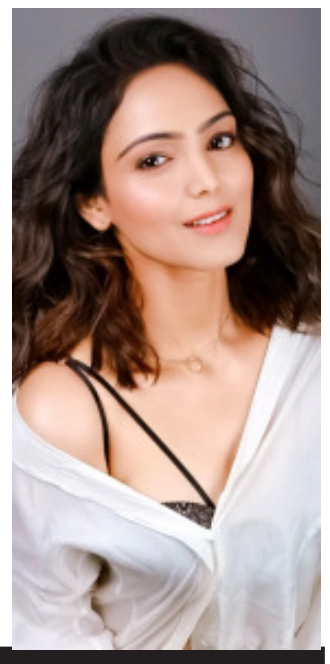

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

शुक्रवार, 22 अप्रैल 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 123 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादकः राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

सिविल सेवा दिवस पर पीएम मोदी बोले– हमारी मुख्य जिम्मेदारी है देश की एकता और अखंडता

नई दिल्ली। सिविल सेवा दिवस पर लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर मोदी ने कहा कि सिविल सेवा दिवस पर आप सभी कर्मयोगियों को बहुत बहुत शुभकामनाएं। आज जिन साथियों को ये अवार्ड मिले हैं, उनको, उनकी पूरी टीम को और उस राज्य को भी मेरी तरफ से बहुत बहुत बधाई। उन्हेंने कहा कि आप जैसे साथियों से इस प्रकार से संवाद मैं लगभग 20–22 साल से कर रहा हूं। पहले मुख्यमंत्री के रूप में करता था और अब प्रधानमंत्री के रूप में कर रहा हूं। उसके कारण एक प्रकार से कुछ मैं आपसे सीखता हूं और कुछ अपनी बातें आप तक पहुंचा पाता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार का आयोजन रूटीन प्रक्रिया नहीं है, मैं इसे विशेष समझता हूं। विशेष इसलिए क्योंकि आजादी के अमृत महोत्सव में जब देश आजादी के 75 साल मना रहा है, तब हम इस समारोह को कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं चाहूंगा कि आजादी के इस अमृत काल में आप अपने डिस्ट्रिक्ट में जो पहले कलेक्टर के रूप में काम करके गए हैं, एक बार अगर हो सके तो उनका मिलने का कार्यक्रम बनाइये। आपके पूरे जिले के लिए वो एक नया अनुभव होगा। इसी तरह राज्यों में जो चीफ सेक्रेटरी के रूप में कार्य करके गए हैं, एक बार राज्य के मुख्यमंत्री उन सबकों बुला लें। देश के प्रधानमंत्री, जितने भी कैबिनेट सेक्रेटरी रहे हैं उनकों बुला लें। मोदी ने कहा कि आजादी के अमृत काल, 75 साल की इस यात्रा में भारत को आगे बढ़ाने में सरदार पटेल का सिविल सर्विस का जो तोहफा है। इसके जो ेवजवाहक लोग रहे हैं, उन्होंने इस देश की प्रगति में कुछ न कुछ योगदान दिया ही है। उनकों सबकों स्मरण करना, उनका सम्मान करना, ये भी आजादी के अमृत काल में सिविल सर्विस को ऑनर करने वाला विषय बन जायेगा। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि हम पिछली शताब्दी की सोच और नीति नियमों से अगली शताब्दी की मजबूती का संकल्प नहीं कर सकते। इसलिए हमारी व्यवस्थाओं, नियमों में, परंपराओं में पहले शायद बदलाव लाने में 30 –40 साल चले जाते होंगे, तो चलता होगा। लेकिन तेज गति से बदलते हुए विश्व में हमें पल पल के हिसाब से चलना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हम एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में है और हमारे सामने तीन लक्ष्य साफ–साफ होने चाहिए। पहला लक्ष्य है कि देश में सामान्य से सामान्य मानवी के जीवन में बदलाव आए, उसके जीवन में सुगमता आए और उसे इसका एहसास भी हो। दूसरे लक्ष्य– आज हम कुछ भी करें, उसको वैश्विक सन्दर्भ में करना समय की मांग है। मैं तीसरे लक्ष्य की बात करूं तो ये एक प्रकार से मैं दोहरा रहा हूं.. व्यवस्था में हम कहीं पर भी हों, लेकिन जिस व्यवस्था से हम निकले हैं, उसमें हमारी **prime responsibility** है देश की एकता और अखंडता। मोदी ने कहा कि भारत की संस्कृति की ये विशेषता है कि हमारा देश राज्य व्यवस्थाओं से नहीं बना है। हमारा देश राजसिंहासनों की बपौती नहीं रहा है। ये देश सदियों से, हजारों वर्ष के लंबे कालखण्ड से हमारी जो परंपरा रही है, वो जनसामान्य के सामर्थ्य को लेकर चलने की परंपरा रही है। गवर्नेंस में रिफार्म एक नित्य और सहज प्रक्रिया एवं प्रयोगशील व्यवस्था होनी चाहिए। अगर प्रयोग सफल नहीं हुआ, तो छोड़ते हुए चले जाने का साहस होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में सैंकड़ों कानून ऐसे थे, जो देश के नागरिकों के लिए बोझ बन गए थे। प्रधानमंत्री बनने के बाद पहले 5 साल में मैंने 1,500 ऐसे कानून खत्म किये थे। उन्होंने कहा कि बीते 8 साल के दौरान देश में अनेक बड़े काम हुए। इनमें से अनेक अभियान ऐसे हैं जिनके मूल में इमींअपवनतंस बींदहम हैं। ये कठिन काम होता है और राजनेता तो कभी इसमें हाथ लगाने की हिम्मत ही नहीं करता।

जहांगीरपुरी पहुंचा कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल, पुलिस ने रोका

नई दिल्ली। हनुमान जयंती के दिन निकाली गई शोभायात्रा के दौरान हुई हिंसा और बाद में अतिक्रमण को हटाने को लेकर जहांगीरपुरी लगातार सुर्खियों में है। इन सबके बीच बुधवार को जहांगीरपुरी में बुलडोजर से अतिक्रमण को हटाया गया। हालांकि इससे कई परिवार प्रभावित हुए हैं। विपक्ष लगातार इसका विरोध कर रहा है। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दिया है। इन सबके बीच आज कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने अजय माकन के नेतृत्व में जहांगीरपुरी का दौरा किया। इस दौरान अजय माकन ने सरकार पर जमकर निशाना साधा। अजय माकन ने कहा कि ऐसा लगता ही नहीं है कि देश में कानून का राज है। कानून ये इजाजत नहीं देता कि बिना नोटिस दिए किसी के घर को गिराया जाए। अजय माकन ने आगे कहा कि मेरे पास कोर्ट का 2019 का भी आदेश है जिसमें कहा गया है कि किसी को बिना नोटिस दिए उसका घर नहीं गिराया जा सकता है तो फिर कल यहां ऐसा क्यों हुआ? उन्होंने कहा कि मैं आप सबसे कहना चाहता हूं कि कृपया इस प्रक्रिया को धर्म के चश्मे से ना देखें। ये सिर्फ गरीब के पेट पर लात मारी गई है। ये इसलिए हुआ है क्योंकि हमारे देश में बेरोजगारी–महंगाई से सबसे ज्यादा पीड़ित गरीब हैं, उनका ध्यान भटकाने और उन्हें धर्म के नाम पर बांटने की कोशिश हुई है। वहीं इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि कल जिस तरह से सरकारी उत्पीड़न हुआ है हम उसके खिलाफ आज पीड़ितों से मिलने जा रहे हैं और लौट कर सोनिया गांधी जी को रिपोर्ट सौपेंगे और उसके बाद पार्टी आगे की कार्रवाई करेगी।

यूपी सरकार का आदेश, सभी थानाध्यक्ष हर रोज करेंगे एक घंटा फुल पेट्रोलिंग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने रमजान के महीने में सुशासन और शांति व्यवस्था बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि थानाध्यक्ष और वरिष्ठ अधिकारी हर रोज कम से कम एक घंटा फुल पेट्रोलिंग करें। अपर मुख्य सचिव, गृह एवं अपर पुलिस महानिदेशक कानून–व्यवस्था प्रशांत कुमार ने गुरुवार को लखनऊ में थाना चौक का आकस्मिक निरीक्षण किया। अवनीश अवस्थी ने कहा कि रमजान के महीने में समुचित पुलिस प्रबंध कर प्रत्येक दशा में शांति व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। धर्म गुरुओं से मिलकर कर धार्मिक सौहार्द्र में सहयोग प्राप्त करें। किसी नई परंपरा की शुरुआत न की जाए तथा त्योहार रजस्टिर की सभी प्रविष्टियों को पूर्ण रखा जाए। सभी थानाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारी एक घंटे फुट पेट्रोलिंग प्रतिदिन अवश्य करें। अवनीश कुमार ने कहा कि पिंक बूथ की महिला आरक्षी अपनी सक्रिय भूमिका का नर्विहन करें एवं उस क्षेत्र में निकलने वाली महिलाओं से बातचीत कर उन्हें सुरक्षा के लिए आश्वस्त करें। प्रत्येक पिंक बूथ पर एक रजस्टिर रखा जाए जिसमें महिला आरक्षियों द्वारा किए गए जनसम्वाद का ब्योरा भी रखा जाए। एडीजी महिला सुरक्षा संगठन नीरा रावत को निर्देशित किया गया है कि वह स्वयं पिंक बूथ का निरीक्षण कर उन्हें सक्रिय रखने के विशेष प्रयास करें। अपर पुलिस महानिदेशक कानून–व्यवस्था प्रशान्त कुमार ने साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले अराजक तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टॉप टेन अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाए। सूचीबद्ध माफियाओं के विरुद्ध कठोर कार्यवाही कर उनको न्यायालय में प्रभावी पैरवी कर सजा सुनिश्चित कराई जाए।

बबीता फोगाट का विवादित बयान, दंगा फैलाने वाले समाज का सब जानते हैं नाम

नई दिल्ली। जहांगीरपुरी हिंसा को लेकर देश में खूब राजनीति हो रही है। इसी कड़ी में भारतीय रेसलर और भाजपा नेता बबीता फोगाट ने एक विवादित बयान ट्वीट कर दिया है। अपने ट्वीट में बबीता फोगाट ने लिखा कि हिन्दू समाज कभी भी दंगे नही करता है। दंगे करने वाले समाज का नाम और समाज की पहचान सभी को है। तब उमर खालिद, शरजील इमाम, ताहिर हुसैन और अब अंसार, सलीम, इमाम शेखध, दिलशाद, अहीद, असलम३ आपको बता दें कि दिल्ली का जहांगीरपुर लगातार सुर्खियों में है। 16 अप्रैल यानी कि हनुमान जयंती के दिन यहां पर शोभा यात्रा के दौरान हिंसा हुई थी। इस हिंसा के बाद अब तक 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया है जबकि क्राइम ब्रांच ने जांच के लिए 14 टीमों का गठन किया है। बबीता फोगाट ने कांग्रेस पर भी जमकरनिसाना साधा। बबीता फोगाट ने ट्वीट कर लिका कि बुलडोजर की कार्रवाई पर एससी ने रोक लगाई। कांग्रेसी वकील कपिल सिब्बल ने जमीयत उलेमा ए हिंद, बांग्लादेशी घुसपैठियों, हनुमान भक्तों पर गोली चलाने वाले अंसार जैसे लोगों का पक्ष रखा। मैं कांग्रेस से पूछना चाहती हूं कि हमेशा आतंकवादियों का बचाव क्यों करते हो? उन्होंने आगे लिखा कि क्रोनोलॉजी समझिए– 1.टुकडे गैंग वामपंथी वृदा करात का जहांगीरपुरी जाकर दंगाइयों को गले लगाना। 2.कांग्रेस कपिल सिब्बल कौ ब में दंगाइयों को बचाना आम आदमी पार्टी के नेताओं का दंगों में शामिल होना। दंगा करवाने और दंगाइयों को संरक्षण देने के लिए यह एक 'गैंग' है जो काम करती है। इससे पहले उन्होंने अपेन ट्वीट में कहा था कि दिल्ली दंगे 'आम आदमी पार्टी' ने करवाए है। 'आप' गुंडों और अपराधियों की पार्टी है। हिंसा करने वाले 'आप पार्टी' के नेता और कार्यकर्ता है। यह बात शाहीन बाग के दंगों में भी साबित हुई और जांच पूरी होने के बाद जहांगीर पुरी दंगों में भी साबित होंगी।

मानवाधिकारों की रक्षा के लिए आतंकवाद को जड़ से खत्म करना जरूरी: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज 13वें राष्ट्रीय जांच एजेंसी दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि छप। की जांच इस प्रकार के अपराधों में होती है जहां साक्ष्य मिलना मुश्किल होता है लेकिन इसके बावजूद आपने उपलब्धि प्राप्त की है जो प्रेरणा है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत सरकार आतंकवाद के विरुद्ध में शून्य सहिष्णुता की नीति बनाकर आगे बढ़ रही है। छप। को भारत सरकार की ओर से कोई भी सहायता, किसी भी स्वरूप में अपेक्षित हो तो वो देने के लिए भारत सरकार प्रतिबद्ध है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब भी आतंकवाद विरोधी अभियान होते हैं, कुछ मानवाधिकार समूह मानवाधिकारों का मुद्दा उठाते हैं लेकिन मैं हमेशा मानता हूं कि आतंकवाद मानव अधिकारों के उल्लंघन का सबसे बड़ा कारण है। मानवाधिकारों की रक्षा के लिए आतंकवाद को जड़ से खत्म करना जरूरी।

नासिक पुलिस कमिश्नर दीपक पांडेय का हुआ तबादला

अजान के वक्त हनुमान चालीसा पर रोक का दिया था फैसला

मुंबई। पिछले कई दिनों से लाउडस्पीकर को लेकर प्रदेश की सियासत काफी गरम है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे की तरफ से 3 मई तक मस्जिदों पर लगे लाउडस्पीकर को हटाने का अल्टीमेटम दिया तो वहीं महाराष्ट्र सरकार के गृह विभाग ने बड़ा फैसला लेते हुए किसी भी धार्मिक स्थल पर बिना अनुमति लाउडस्पीकर लगाने पर रोक लगा दी। वहीं सत्ताधारी पार्टी शिवसेना के नेता संजय राउत की तरफ से लाउडस्पीकर को लेकर एक केंद्रीय मसौदा लागू करने की बात कही गई है। लेकिन आपको बीते दिनों का नासिक के कमश्नर की तरफ से जारी किया गया फरमान याद होगा। जब कहा गया कि अजान से पहले और बाद में 15 मिनट तक लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा या भजन न बजाने का आदेश दिया था। अब खबर है कि महाराष्ट्र सरकार की तरफ से अधिकारियों के तबादले वाली लिस्ट में ये आदेश देने वाले कमिश्नर दीपक पांडेय का भी नाम शामिल है। महाराष्ट्र सरकार की तरफ से बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 40 सीनियर पुलिस अधिकारियों का तबादला या प्रमोशन किया गया है। इस सूची में नासिक पुलिस कमिश्नर दीपक पांडेय का नाम भी है। पांडेय की जगह अब जयंत नायकनवरे नासिक के नए पुलिस कमिश्नर होंगे। वहीं नासिक पुलिस कमिश्नर दीपक पांडेय को स्पेशल आईजी बनाकर भेजा गया है। बता दें कि नासिक के कमिश्नर दीपक पांडे ने कहा है कि सभी धार्मिक स्थलों को 3 मई तक लाउडस्पीकर के उपयोग की अनुमति लेने का निर्देश दिया गया था। 3 मई के बाद यदि कोई आदेश का उल्लंघन करता पाया जाता है तो उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की बात करते हुए पांडे ने कहा था कि हनुमान चालीसा या भजन बजाने के लिए अनुमति लेनी पड़ेगी। अजान से पहले और बाद में 15 मिनट के भीतर इसकी अनुमति नहीं होगी। मस्जिद के 100 मीटर के दायरे में इसकी इजाजत नहीं होगी। इस आदेश का उद्देश्य कानून–व्यवस्था बनाए रखना है। गौरतलब है कि पिछले कई दिनों से लाउडस्पीकर को लेकर प्रदेश की सियासत काफी गरम है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे की तरफ से 3 मई तक मस्जिदों पर लगे लाउडस्पीकर को हटाने का अल्टीमेटम दिया है। ऐसा नहीं करके की सूरत में लाउडस्पीकर से मस्जिदों के सामने हनुमान चालीसा बजाने की चेतावनी भी राज ठाकरे की तरफ से दी गई।

जिग्नेश मेवानी की गिरफ्तारी पर भड़के हार्दिक पटेल

गुजरात के वडगाम विधानसभा सीट से विधायक जिग्नेश मेवानी को असम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिग्नेश मेवानी को असम पुलिस ने पालनपुर से गिरफ्तार किया जिसके बाद उन्हें सुबह सवेरे अहमदाबाद से असम ले जाया गया। जिग्नेश मेवानी की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस नेता हार्दिक पटेल ने जबरदस्त तरीके से अपना गुस्सा जाहिर किया है। हार्दिक पटेल ने ट्वीट कर कहा कि कल आधी रात को विधायक जिग्नेश मेवानी को असम पुलिस ने गिरफ्तार किया हैं। सिर्फ एक ट्वीट के कारण गिरफ्तारी और वो भी आधी रात को कुछ तो गड़बड़ हैं।

चीन को काबू करने में अहम भूमिका निभाने वाले इस द्वीप पर केंद्रित होगी मोदी–जॉनसन की वार्ता, भारत से मदद की आस में ब्रिटेन

नई दिल्ली। चीन के विदेश मंत्री का अचानक भारत दौरा, फिर रूस के विदेश मंत्री का भारत की विदेश नीति और राजनीतिक स्टैंड का गुणगान। अमेरिका और भारत के बीच टू प्लस टू वार्ता। इतना ही नहीं 21 अप्रैल यानी आज से ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन भारत दौरे पर हैं। यह विदेशी नेताओं के बीते 1 महीने की भारत यात्राओं की लिस्ट नहीं बल्कि रूस यूक्रेन युद्ध और दुनिया में अचानक बदलते समीकरण के बीच भारत की अहमियत की बानगी भर है। बेहद अहम द्वीप पर केंद्रित है जॉनसन का दौरा : ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन का भारत दौरा एक द्वीप पर केंद्रित रहने वाला है,जो चीन को काबू करने में एक बड़ी भूमिका निभाता है। बोरिस जॉनसन यात्रा के दौरान मॉरीशस के चागोस में डिएगो गार्सिया द्वीप को लेकर चर्चा करेंगे जिसे मॉरीशस की आजादी के बाद ब्रिटेन ने अपने कब्जे में रखा और फिर 1966 में मोटा पैसा लेकर अमेरिका को लीज पर दे दिया। अभी कुछ ही दिन पूर्व मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रवीण जगन्नाथ 17 अप्रैल को 8 दिवसीय यात्रा पर भारत आए थे। दोनों देशों ने तैनात किया वायुसेना–नौसेना का बेड़ाः इस द्वीप को लेकर अमेरिका ब्रिटेन भारत और चीन इतने उतावले क्यों है इसका पता इस बात से चलता है कि साल 1965 में मॉरीशस को आजाद करने के बाद ब्रिटेन ने हिंद महासागर में मौजूद दीप समूह को मॉरीशस से अलग कर दिया। हालांकि आज भी मॉरीशस इस द्वीप पर अपना अधिकार जताता है। 1966 में अमेरिका ने ब्रिटेन से समझौता के तहत 50 सालों के लिए चागोस के डिएगो गार्सिया द्वीप को लीज पर ले लिया। दोनों देशों ने यहां वायुसेना और नौसेना बेड़ा तैनात किया। चीन की दुखती रगः हिंद महासागर के मध्य मैं स्थित जिओ के गाछिया द्वीप समूह का रणनीतिक महत्व इसलिए भी है क्योंकि इस दीप की भौगोलिक स्थिति बहुत महत्वपूर्ण है। यहां स्थित देश का इस्तेमाल अमेरिका ने इराक की रानी युद्ध के दौरान किया था। चीन अमेरिकी तैनाती को लेकर मिलाया रहता है एशिया में चीन को काबू करने में अहम भूमिका है। भारत की भूमिकाः अब ऐसे में सबसे बड़ा सवाल की इन सब में भारत की क्या भूमिका है। बता दें कि मॉरीशस का सांस्कृतिक रूप से भारत से गहरा जुड़ाव रहा है। मॉरीशस की अधिकांश आबादी भारतीय मूल की है। इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी भारत मॉरीशस की सहायता करता आया है। ऐसे में ब्रिटेन की चाहत ये है कि भारत अपने प्रभाव से हिन्द महासागर में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को चीन से टक्कर लेने हेतु महत्वपूर्ण मानते हुए डिएगो गार्सिया के लिए मॉरीशस संग बातचीत का मार्ग खोले।

परामर्शदाता ने एनईआर जीएम से की रेल दुकानों के आवंटन में भ्रष्टाचार की जांच की मांग

गोंडा। पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर के परामर्शदाता पंकज कुमार श्रीवास्तव ने महाप्रबंधक को पत्र भेजकर गोण्डा जं में रेल की 30 दुकानों के आवंटन व अनुरक्षण में भ्रष्टाचार रेल परिसर में अराजक तत्वों के जमावड़े का आरोप लगाते हुए जांच के व समुचित कार्रवाई का अनुरोध किया है। जीएम को लिखे गए पत्र में श्री श्रीवास्तव ने रेल अधिकारियों पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोप में कहा है कि गोण्डा जंक्शन रेलवे स्टेशन रोड से मुख्य शहर की ओर जाने वाले प्रमुख मार्ग पर रेलवे परिसर के अन्तर्गत बनी हुई दुकानों के आस–पास अराजक तत्वों का जमावड़ा रहता है। सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों के नाम से आवंटित दुकानों के आवंटन में हुए भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं के परिप्रेक्ष्य में पूर्व में किए गए अनुरोध पर कोई कार्रवाई न होने से दुकानों पर काबिज अवैध कब्जेदारों का मनोबल दिन–प्रतिदिन बढ़ गया है। रेलवे के निर्माणध्इंजीनियरिंग ध्रेल सुरक्षा बल ध्राजकीय रेलवे पुलिस के सक्षम एवं जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा अवैध तरीके से वसूली की जा रही है। परामर्शदाता श्री श्रीवास्तव ने महाप्रबंधक से मांग करते कहा कि यदि एक माह के अन्दर समुचित कार्यवाही नहीं की गई तो मई के अन्तिम सप्ताह में अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन किया जायेगा।

श्री श्रीवास्तव ने बताया कि गोण्डा जं0 रेलवे परिक्षेत्र में लगभग 30 दुकानें कई वर्ष पूर्व से रेलवे में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के नाम से आवंटित है। अब इन दुकानों में खरीद–फरोख्त का खेल शुरु हो गया है। अनाधिकृत रूप से काबिज कई दुकानदारों ने रेल परिसर के खाली हिस्सों में कब्जा कर रखा है। रेल परिक्षेत्र के आसपास अराजक तत्वों की भरमार रहती है। जिससे आने–जाने वाले रेल यात्री एवं आम नागरिक अराजक तत्वों की गुण्डई एवं बदमाशी का आए दिन शिकार होते हैं। स्थानीय रेल अधिकारी अवैध कब्जेदारी अतिक्रमण से लेकर अराजक तत्वों की गतिविधियों में संरक्षक की है और सब कुछ जानते हुए भी विभाग के सम्बन्धित अधिकारी उदासीन होकर अवैध धन वसूली एवं अवैध कब्जेदारी में संलिप्त हैं।

गर्म हवा व लू से बचाव के लिए एडवाईजरी जारी

गोंडा। जिलाधिकारी डा0 उज्ज्वल कुमार ने मौसम के बढ़ते तापमान, गर्म हवा व लू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए उससे बचाव के टिप्स देते अपील की है कि गर्मी का पारा दिनों दिन बढ़ रहा है, ऐसे गर्म हवा व लू से अपना बचाव करें तथा सुरक्षित रहें। बचाव के तरीके बताते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि गर्मी हवाओं से बचने के लिए खिड़की को रिफ्लेक्टर जैसे एलुमिनियम पन्नी, गत्ते इत्यादि से ढककर रखें, ताकि बाहर की गर्मी को अन्दर आने से रोका जा सके। उन खिड़कियों व दरवाजों पर, जिनसे दोपहर के समय गर्म हवाएं आतीं हैं, काले परदे लगाकर रखना चाहिए। स्थानीय मौसम के पूर्वानुमान को सुनें और आगामी तापमान में होने वाले परिवर्तन के प्रति सजग रहें। आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण लें। बच्चों तथा पालतू जानवरों को कभी भी बन्द वाहन में अकेला न छोड़ें। जहां तक सम्भव हो घर में ही रहें तथा सूर्य के ताप से बचें। सूर्य के ताप से बचने के लिए जहां तक सम्भव हो घर की निचली मंजिल पर रहें। संतुलित, हल्का व नियमित भोजन करें। मादक पेय पदार्थों का सेवन न करें। घर से बाहर अपने शरीर व सिर को कपड़े या टोपी से ढककर रखें। उन्होंने बचाव के बारे में बताते हुए कहा कि धूप में खड़े वाहनों में बच्चों या पालतू जानवरों को न छोड़ें। खाना बनाते समय घर के खिड़की दरवाजे आदि खुले रखें जिससे हवा का आना जाना बना रहे। नशीले पदार्थों, शराब अथवा अल्कोहल से बचें। उच्च प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थों का अधिक से अधिक सेवन करें तथा बासी भोजन कतई न इस्तेमाल करें इसके साथ ही संतुलित व हल्का आहार लें। दोपहर के समय यदि बहुत आवश्यक हो तभी घर से धूप में बाहर निकलें अन्यथा धूप में जाने से बचें और यदि जाना ही पड़े तो सिर को जरूर ढकें। घर में पेय पदार्थ जैसे लस्सी, छांछ, मट्ठा, बेल का शर्बत, नमक चीनी का घोल, नीबू पानी या आम का पना इत्यादि का प्रयोग करें।

गर्म हवा व लू से बचाव के लिए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने जारी की एडवाइजरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा मौसम के बढ़ते तापमान, गर्म हवा व लू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए उससे बचाव के टिप्स देते अपील की गई है कि गर्मी का पारा दिनों दिन बढ़ रहा है, ऐसे गर्म हवा व लू से अपना बचाव करें तथा सुरक्षित रहें। बचाव के तरीके बताते हुए जिला आपदा विशेषज्ञ अरुण कुमार सिंह ने कहा कि गर्मी हवाओं से बचने के लिए खिड़की को रिफ्लेक्टर जैसे एलुमिनियम पन्नी, गत्ते इत्यादि से ढककर रखें, ताकि बाहर की गर्मी को अन्दर आने से रोका जा सके। उन खिड़कियों व दरवाजों पर, जिनसे दोपहर के समय गर्म हवाएं आतीं हैं, काले परदे लगाकर रखना चाहिए। स्थानीय मौसम के पूर्वानुमान को सुनें और आगामी तापमान में होने वाले परिवर्तन के प्रति सजग रहें। आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण लें। बच्चों तथा पालतू जानवरों को कभी भी बन्द वाहन में अकेला न छोड़ें। जहां तक सम्भव हो घर में ही रहें तथा सूर्य के ताप से बचें। सूर्य के ताप से बचने के लिए जहां तक संभव हो घर की निचली मंजिल पर रहें। संतुलित, हल्का व नियमित भोजन करें। मादक पेय पदार्थों का सेवन न करें। घर से बाहर अपने शरीर व सिर को कपड़े या टोपी से ढककर रखें। उन्होंने बचाव के बारे में बताते हुए कहा कि धूप में खड़े वाहनों में बच्चों या पालतू जानवरों को न छोड़ें। खाना बनाते समय घर के खिड़की दरवाजे आदि खुले रखें जिससे हवा का आना जाना बना रहे। नशीले पदार्थों, शराब अथवा अल्कोहल से बचें। उच्च प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थों का अधिक से अधिक सेवन करें तथा बासी भोजन कतई न इस्तेमाल करें इसके साथ ही संतुलित व हल्का आहार लें। दोपहर के समय यदि बहुत आवश्यक हो तभी घर से धूप में बाहर निकलें अन्यथा धूप में जाने से बचें और यदि जाना ही पड़े तो सिर को जरूर ढकें। घर में पेय पदार्थ जैसे लस्सी, छांछ, मट्ठा, बेल का शर्बत, नमक चीनी का घोल, नीबू पानी या आम का पना इत्यादि का प्रयोग करें।

बलरामपुर की पुलिस छेड़छाड़ दुष्कर्म जैसे मामलों को भी नहीं लेती संज्ञान

बलरामपुर। एक तरफ योगी 2 डबल इंजन सरकार जहां अपराधियों दुष्कर्मियों के खिलाफ सख्त संदेश देने का प्रयास कर रही है तो वही बलरामपुर पुलिस ऐसे आरोपितों को बेलगाम छूट दे रही है जब तक पीड़ित आत्महत्या न कर ले कोई अप्रत्याशित घटना को अंजाम न दे उनकी नजर पीड़ितों पर नहीं जाती यहां तक की नवागंतुक पुलिस अधीक्षक स्टाफ में लगी महिला पुलिस एस पी से मिलने जा रही पीड़ितों को बताती है की साहब सो रहे हैं और लोग निराश होकर वापस हो जाते हैं ऐसे में जनता को कितना और कैसे न्याय मिलेगा अंदाजा लगाया जा सकता है यह भी नहीं की यह पहली घटना हो ऐसी घटनाएं रोज हो रही हैं और पीड़ित न्याय के लिए दर–दर भटक रहे हैं जनपद में राज महिला आयोग की सदस्या सुनीता बंसल के सामने ऐसे ही कई घटनाएं आयी जिसमें एक घटना थाना ललिया के मथुरा बाजार चौकी का था जिसमें कुछ नशेड़ियों ने चार महिलाओं को घर में घुसकर न केवल बुरी तरह मारा पीटा बल्कि महिलाओं का आरोप है कि उनके नाजुक अंगों से भी छेड़छाड़ किया गया घटना के बाद पीड़ितों ने चौकी थाना पुलिस अधीक्षक के साथ ही उच्च अधिकारियों को इसकी सूचना दी इसके बावजूद भी कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई काफी प्रयास के बाद घटना की रिपोर्ट 323 में दर्ज की गई इसी तरह की दूसरी घटना कोतवाली नगर की है जहां गनेशपुर कोड़री की एक गरीब महिला जिसका पति मजदूरी करने गया था दिन में लगभग 11.00 बजे गांव के ही एक व्यक्ति ने सुनसान देखकर महिला के घर में घुस गया तथा दुष्कर्म का प्रयास किया महिला ने पुलिस कंट्रोल 112 कोतवाली सहित सभी जगहों पर प्रार्थना पत्र दिया उसकी रिपोर्ट सुविधा शुल्क ले लेने के बाद 151 मे लिख दिया घटना का संज्ञान महिला आयोग की सदस्य सुनीता बंसल व क्षेत्राधिकारी वरुण मिश्रा ने लेते हुए घटना को पुनः देखने की बात कही ऐसे में उक्त मामलों को स्थानीय प्रशासन किस अंदाज में लेता है यह देखने की बात है क्या ऐसे गंभीर अपराधों को छिपाकर दोषियों को स्थानीय पुलिस महिमा मण्डित नहीं कर रही है ऐसे अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी के बजाय उन्हें खुली छूट दे दिया जाता है क्या यह उचित है।

पुलिस ने बालिका की हत्या करके शव छुपाने की वांछित आरोपी महिला को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा

गोंडा। पांच वर्षीय बालिका की हत्या कर शव को तालाब में फेंका गया था। बालिका का शव तालाब से बरामद होने के बाद पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ। पुलिस ने बालिका की हत्या करके शव छुपाने की वांछित आरोपी महिला को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। कोतवाल प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा के निर्देश पर अपराध व अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाकर वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी की जा रही है। उन्होंने बताया की सूत्रों से सूचना मिली कि बालिका हत्या आरोपी वांछित महिला नज्जो पत्नी नवी अहमद निवासी ग्राम गौरवाखुर्द साईंतकिया कटरा रोड स्थित रेलवे क्रासिंग शहीदमर्द बाबा मजार के पास कही जाने के फिराक में है। कोतवाल ने बताया कि सूचना मिलते वह स्वयं उपनिरीक्षक शादाब आलम, आरक्षी अंकुर पांडेय, अमित कुमार सिंह, महिला आरक्षी कामिनी मिश्रा के साथ मौके पर पहुंचे और वांछित नज्जो को गिरफ्तार कर लिया उन्होंने बताया कि रज्जो की ननद की 5 वर्षीय बेटी अल्फिसा सोमवार की शाम भोजन करके उसके साथ सो रही थी। रात्रि के समय रन्नो ने उसकी हत्या करके शव तालाब में फेंक दिया था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार वांछित आरोपी महिला को न्यायालय भेज दिया गया है।

एक दर्जन से अधिक लोगों का भार बढ़ाने के साथ ही की गयी भारी वसूली

गोंडा। बिजली विभाग ने सौ दिन के लिए चेकिंग अभियान शुरू किया है। जिसमें एक दर्जन से अधिक लोगों का भार बढ़ाने के साथ भारी वसूली भी गई। विद्युत वितरण उपखण्ड करनैलगंज अंतर्गत सात विद्युत उपकेंद्र संचालित हैं। जिसमे करनैलगंज टाउन, करनैलगंज ग्रामीण, कटरा बाजार, कटरा बाजार ग्रामीण, डूबहा बाजार, बालपुर व भँभुआ सामिल हैं। उपखण्ड अधिकारी सुरेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि अवर अभियंता आरिफ खान, सूरज प्रसाद, अनय साहनी व अवर अभियंता संजीव कुमार नेतृत्व में टीम गठित कर क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें बिजली की चोरी करते पकड़े जाने वाले लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराते हुये अन्य कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। उन्होंने बताया कि अवर अभियंता आरिफ खान के टीम में चंद्रभान मौर्य, रोहित गुप्ता, कलीम खान, सर्वेश कुमार व कुछ संविदा कर्मचारी सामिल हैं। उन्होंने बताया कि टीम द्वारा चलाये जा रहे चेकिंग अभियान में 15 उपभोक्ताओं का लोड बढ़ाते हुये 9 लोगों के विरुद्ध बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कराया गया है। साथ ही 10 लाख रुपये की बकाया वसूली भी की गई है। इसी तरह सभी टीमे कार्य कर रही है। यह अभियान लगातार 100 दिन तक चलता रहेगा।

अग्नि पीड़ितों को समाजसेवी ने पहुंचाई मदद

अयोध्या। रुदौली क्षेत्र में ग्राम सभा करौंदी, अयोध्या के मऊ शिवाला, मिल्कीपुर क्षेत्र में झाबुआ व राहुना में आग लगने से 20 परिवारों की गृहस्थी जलकर राख हो गई थी। खबर मिलते ही समाजसेवी राजन पांडेय ने अपने पुत्र जिला पंचायत सदस्य अंकित पांडे को भेजकर पीड़ित परिवारों में दरी, चद्दर, कंबल तथा 500 रुपये नकद की सहायता उपलब्ध कराई। पीड़ितों को भरोसा दिलाया कि मेरा परिवार आप लोगों के साथ है। क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधियों से अपील की कि नैतिक जिम्मेदारी है कि आप सभी पीड़ितों व गरीबों की मदद करें। क्योंकि इन्हीं के वोटों से आप जनप्रतिनिध बने हैं। विधायक, सांसद, जिला पंचायत, ब्लाक प्रमुख, प्रधान बनने के बाद तमाम ऐसे जनप्रतिनिध नैतिक जिम्मेदारियों को भूल जाते हैं। समाजसेवी राजन पांडेय ने कहा कि जब तक गरीब समाज खुशहाल नहीं होगा तब तक न तो देश में खुशहाली आएगी ना ही प्रदेश में खुशहाली आएगी।

ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य मेला गैसड़ी में आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य मेले में 1607 ने कराया उपचार आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत ब्लाक स्तर पर स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जा रहा है। वृहस्पतिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गैंसड़ी व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पचपेड़वा में स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ विधायक गैंसड़ी एस.पी.यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया।आयोजित स्वास्थ्य मेले का मकसद गांव गरीब व आम नागरिकों तक केंद्र व प्रदेश सरकार की हेल्थ सेवाएं और उसकी जानकारी पहुंचे। मेले में मातृ शिशु कल्याण, टीकाकरण, संचारी एवं गैर संचारी रोगों से सम्बन्धी सेवायें, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के पात्र लाभार्थियों का गोल्डेन कार्ड बनाने, डिजिटल स्वास्थ्य आई0डी0 कार्ड बनाने की सुविधा, लेने के लिए प्रदर्शनी विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाए गए। योग एवं ध्यान, जीवन शैली परामर्श, कैंसर की रोकथाम के बारे में जागरूकता, रोगियों के लिए निःशुल्क दवायें एवं निदान सम्बंधित चिकित्सकों ने जानकारी लोगों को दी। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण अभियान, टेक होम राशन आदि विभागीय योजनाओं के बारे में जागरूकता प्रदान की गई। विधायक एस .पी. यादव ने बताया स्वास्थ्य मेले आयोजन का उद्देश्य हर गांव गरीब तक सरकार की स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचे, इसके लिए केंद्र व राज्य की सरकार काम कर रही है। अधिक से अधिक लोगों को लाभ पहुंचे इसके लिए जिले से अलग–अलग ब्लाकों में मेला लगा कर जानकारी दी जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डा. सुशील कुमार ने बताया कि आज आयोजित स्वास्थ्य मेला में कुल 1607 मरीजों का पंजीकरण किया गया। 56 स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की डिजिटल हेल्थ आई डी बनाया गया। 62 आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाया गया। 1607 मरीजों का चेक अप व उपचार किया गया। 67 मरीजो का टेलीमेडिसिन के माध्यम से उपचार किया गया।

महिला आयोग ने की महिला उत्पीड़न के मामलों की स्थलीय जन सुनवाई

सदस्य ने किया संयुक्त जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण, आमजनमानस को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाए प्रदान किए जाने का दिया निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या सुनीता बंसल की अध्यक्षता में महिला उत्पीड़न के मामलों की स्थलीय जन सुनवाई की गयी, जिसमें जनपद की 12 महिलाओं द्वारा अपने उत्पीड़न सम्बन्धी प्रार्थना पत्र मा0 सदस्या को सौंपे गये। सदस्या द्वारा उक्त प्रकरणों के त्वरित निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित कर आख्या उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जनपद के एक दिवसीय भ्रमण के दौरान सदस्या द्वारा संयुक्त जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया गया, सदस्या द्वारा इमरजेंसी वार्ड पहुंचकर मरीजों का हाल लिया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी को मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने, साफ–सफाई की समुचित व्यवस्था का निर्देश दिया गया। इस दौरान मा० सदस्या द्वारा ग्राम पंचायत सेखुईकला में मिशन शक्ति अभियान फेज–4 के तहत आयोजित शिविर में महिलाओं को महिला कल्याणकारी योजना की जानकारी दी गई। इस दौरान अपर एसडीएम ज्योति गौतम, क्षेत्राधिकारी सिटी वरुण मिश्र, विधिक सेवा प्राधिकरण ज्ञानेंद्र सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी सतीश चंद्र व अन्य संबंधित अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित रहे।

महादेवा घाट पहुंचा चौरासी कोसी परिक्रमार्थियों का जत्था

5 परिक्रमा में पुरुषो के साथ महिलाओ की भी दिखी भागीदारी

गोसाईगंज–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या की प्रसिद्ध चौरासी कोसी परिक्रमा करने वाले परिक्रमार्थियो का जत्था अपने चौथे पड़ाव स्थल गोसाईगंज कस्बे के महादेवा घाट पर पहुंची।परिक्रमा का संचालन बाबा गयादास व वीएचपी के संगठन मंत्री सुरेन्द्रसिंह कर रहे है।सुबह छह बजे जैसे ही जयश्रीराम के उद्घोष के साथ जत्था कस्बे की सीमा में प्रवेश किया भाजपा नेता शेखरजायसवाल व महादेवा घाट जीर्णोद्धार समिति की अगुवाई में कस्बे के लोगो ने माला पहनाकर साधू संतो का स्वागत किया। परिक्रमा में पुरुषो के साथ महिलाओ की भी भागीदारी दिखी।परिक्रमा के संचालक बाबा गयादास ने कहाकि धर्मनगरी अयोध्या की सीमा चौरासी कोस में फैली हुई थी।

चौरासी कोसी परिक्रमा करने से चौरासी लाख योनियो से मुक्ति मिल जाती है और जीव मोक्ष को प्राप्त करता है।विहिप के संगठन मंत्री सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि परिक्रमा में मध्यप्रदेश,दिल्ली,राजस्थान, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल,झारखंड, उत्तर प्रदेश सहित तमाम प्रान्तों के भक्तगण शामिल है।परिक्रमा का मुख्य उद्देश्य इस परिक्रमायात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हो,यात्रा मार्ग का समुचित विकास हो,जगह जगह सुविधाएँ मिले,दोनों पुलो का निर्माण हो जिससे परिक्रमार्थियो को कोई दिक्कत ना हो और यात्रा करने वालो की संख्या बढती रहे।राममन्दिर निर्माण पर बताया कि मन्दिर का निर्माण युद्ध स्तर पर हो रहा है।मन्दिर अपने निश्चित समय पर बनकर तैयार हो जाएगा और अयोध्या की पहचान विश्वस्तर पर होगा।महादेवा घाट पर परिक्रमार्थियो के जलपान, भोजन व विश्राम की समुचित व्यवस्था की गयी थी। घाट पर स्थानीय स्वास्थ्यकर्मियों की टीम सहित पुलिस व नगर पंचायत के सफाई कर्मी जुटे रहे

।परिक्रमा रात्रि विश्राम के बाद अपने अगले पड़ाव स्थल टिकरी को रवाना हो जायेगी। उक्त अवसर पर जयप्रकाश गुप्ता,ध्रुव बरनवाल,विनोद बरनवाल, हनुमान प्रसाद,चेयरमैन रमेशचन्द्र पप्पू,ईओ आलोककुमार मिश्र,कोतवाली प्रभारी केके मिश्र,डा0इन्द्रजीत,डा0बृजेन्द कुमार,संजयकुमार,राजन सोनी,सुनील सहित तमाम भक्तजन सेवा भाव में लगे रहे।

आबादी से तत्काल हटाएं शराब की दुकान

अयोध्या। नगर निगम की ओर से चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान क्रम में जांच करने महापौर मुगलपुरा वार्ड पहुंचे। जहां इंडिया मार्क हैंडपंप खराब मिला। वहीं आबादी में स्थित शराब की दुकान को तत्काल हटाए जाने का निर्देश दिया। रामकिशोर यादव जनसंपर्क अधिकारी नगर निगम ने बताया कि 60 दिवसीय स्वच्छता व जन समस्या निवारण अभियान क्रम में महापौर ऋषिकेश उपाध्याय नगर निगम के अधिकारियों के साथ हैदरगंज वार्ड पहुंचे। यहां हैंडपंप रिबोर कराने, पानी के भराव को निकासी की व्यवस्था तथा प्राथमिक स्कूल के पासी नाली को कबर्ड कराए जाने का निर्देश दिया। मानव नगर कॉलोनी रमन्ना और बाल्मीकि कॉलोनी में पार्क से अतिक्रमण हटाने और बाउंड्री बनवाकर सुंदरीकरण कराने के निर्देश नगर निगम के अधिकारियों को दिए हैं। इसी तरह शाही मस्जिद गली स्थित आरएसएस कार्यालय के पास नाली कबर्ड करने पत्थर पटिया बिछाने को निर्देशित किया है। महापौर ने कहा कि नगर निगम के संबंधित विभागों के अधिकारी अपने अधीनस्थों के दायित्वों को सुनिश्चित कराएं। उपाध्याय ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र को सुंदर और जन सुविधाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में नन्हे–मुन्ने बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों का मन मोहा

करनैलगंज(गोंडा)। वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में नन्हे–मुन्ने बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। बीइओ ने बच्चों को पुरस्कृत किया। .शिक्षा क्षेत्र करनैलगंज के अंतर्गत न्याय पंचायत सरैया के प्राथमिक विद्यालय अधेरवा में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधानाध्यापक नरेंद्र कुमार शर्मा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बेईओ सीमा पाण्डेय रही। खंड शिक्षा अधिकारी ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान मंच पर बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। नन्हे–मुन्ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत नृत्य व गीत की सभी ने कोटि–कोटि प्रशंसा की। एआरपी अलोक दीक्षित, एआरपी हरि प्रसाद, एआरपी विमल कुमार ने अपने वक्तव्य प्रस्तुत कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर नान बाबू मिश्रा, परितोष सिंह, राजकुमार यादव, जय वीर सिंह, प्रवेश कुमार, राजकिशन तिवारी आदि मौजूद रहे।

मेहनत करे तो सफलता को कोई रोक नही सकताः श्यामधनी राही

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री शिक्षुता एवं प्रोत्साहन योजना एवं राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग उ0प्र0 एवं सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग उ0प्र0 द्वारा जनपद स्तरीय अप्रेन्टिसशिप मेला राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सिद्धार्थनगर एवं कौशल विकास मिशन सिद्धार्थनगर के संयुक्त तत्वाधान में लोहिया कला भवन सिद्धार्थनगर में वृहद अप्रेन्टिसशिप मेला में मुख्य अतिथि विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही की अध्यक्षता एवं विशिष्ठ अतिथि जिलाधिकारी संजीव रंजन की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। अप्रेन्टिसशिप मेला में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित कर शुभरम्भ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही ने कहा कि केवल नौकरी की सोच न रखे। अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मेहनत करे तो सफलता को कोई रोक नही सकता है। भारत सरकारध् प्रदेश सरकार अप्रेन्टिस मेले का आयोजन कर लोगो को रोजगार दिलाने का कार्य किया जा रहा है। आई.टी.आई. विद्यालयो द्वारा बच्चो को प्रशिक्षित कर उनके अन्दर हुनर पैदा किया जा रहा है। जिससे वह नौकरी ही नही स्वरोजगार कर अच्छी आय प्राप्त कर सकते है। विभिन्न क्षेत्रों में लोगो को अप्रेन्टिस मेले के माध्यम से रोजगार के अवसर प्रदान किये जा रहे है। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री संजीव रंजन द्वारा आई.टी.आई. एवं उद्योग विभाग को शासन द्वारा प्राप्त लक्ष्य के सापेक्ष अधिक प्रगति होने पर जिलाधिकारी द्वारा बधाई दिया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि अप्रेन्टिसशिप सरकार की महत्वपूर्ण योजना है जिसके माध्यम से आई.टी.आई. प्रशिक्षित लोगो को सरकारी संस्थानोध् प्राइवेट संस्थानो में रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। अप्रेन्टिसशिप के माध्यम से लोगो को आय का स्रोत भी मिल जाता है। जिसके माध्यम से और अच्छी शिक्षा ग्रहण कर सकते है। जो लोग अप्रेन्टिस कर रहे है वे पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त करे जिससे आपके अन्दर अच्छा हुनर रहे। अच्छी तरह प्रशिक्षण प्राप्त करने से आप लोगो को अच्छी जानकारी होगी जिससे अपना स्वरोजगार कर दूसरे लोगो को भी रोजगार दे सकते है। इस मेले में आईटीआई के विभिन्न व्यवसायो से उत्तीर्ण 190 प्रशिक्षणार्थियों को अप्रेंटिसशिप के लिए नियोजित कराया गया। इस मेले में अप्रेंटिसशिप योजना को संचालित करने के लिए जिले के एसपी ऑटोमोबाइल्स, स्मार्ट व्हील्स प्राइवेट लिमिटेड, होरा मोटर्स, एकेजे ऑटोमोबाइल, एल एल पी, विद्युत वितरण खंड डुमरियागंज, नगर पालिका परिषद बांसी, सूरज ट्रेडर्स को विशेष योगदान हेतु सम्मानित किया गया तथा जिले को प्राप्त शिशिक्षुता प्रशिक्षण के लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु संस्थानों के अनुदेशक विपिन चौधरी, संजीव मिश्रा, अंकित सरन, अमरेंद्र कुमार, कार्य देशक महेश चंद्र, वरिष्ठ सहायक राकेश कुमार मौर्य, कनिष्ठ सहायक राजेश सिंह को विशेष योगदान हेतु सम्मानित किया गया। इस मेले में नोडल प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई डुमरियागंज श्री राजकुमार यादव, उपायुक्त जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र दयाशंकर सरोज, जिला सेवायोजन अधिकारी मिथिलेश मिश्र, प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई बांसी मस्तराम वर्मा, प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई इटवा सोभनाथ रावत तथा राजकीय आईटीआई के परवेज अहमद, राकेश चौधरी, वीरेंद्र कुमार, मुकेश कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

23 एवं 24 को राष्ट्रीय संगोष्ठी में जुटेंगे सिद्धार्थ विश्वविद्यालय नहीं देशभर के साहित्यकार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के हिंदी विभाग तथा उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ के साथ तत्वाधान में 23 एवं 24 अप्रैल को दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन हो रहा है। नगोष्ठी संयोजक प्रो हरीश कुमार शर्मा ने बताया कि यह संगोष्ठी प्रख्यात हिंदी कथा कार फडीशवर नाथ रेणु पर केंद्रित है। जिसका विषय फडीशवर नाथ रेणु और उनका साहित्य है। फणीश्वरनाथ रेणु साहित्य की दुनिया में बड़ा नाम है। उनकी कृति मैला आँचल, परती परिकथा, तीसरी कसम जैसे अनेक कथा समाज को प्रेरित करने वाली रही है और फणीश्वर नाथ रेणु की हिंदी कथा जगत में एक विशिष्ट पहचान। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय इसी सेप्रेरित होकर इस संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है। संगोष्ठी में उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो सदानन्द गुप्त हिंदी संस्थान के निदेशक डॉ पवन कुमार, संपादक अमिता दूबे श्यामा किशन सक्सेना संस्थान की ओर से समारोह में उपस्थित रजेंगे। उद्घघाटन समापन के अतिरिक्त संगोष्ठी में कई सत्र भी आयोजित किये जाएंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो हरि बहादुर श्रीवास्तव करेंगे। संगोष्ठी में हिंदी साहित्य के मूर्धन्य विद्वान और कुलपति प्रोफेसर सुरेंद्र दुबे केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा के पूर्व निदेशक प्रो नंदकिशोर पांडे शिक्षा निदेशक माध्यमिक वाराणसी से डॉ प्रदीप कुमारसिंह जैसे महत्वपूर्ण विद्वान 2 दिन मंथन करेंगे। संगोष्ठी में मुख्य रुप से चार सत्र विभिन्न विषयों पर मंथन किया जाएंगा। सत्रों में अध्यक्षता एंव मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर दिनेश कुमार चौबे शिलांग से डॉ अरुण पांडेय डॉ सुजीत कुमार मिश्र ईटानगर से प्रोफेसर पावन अग्रवाल डॉक्टर बलजीत श्रीवास्तव लखनऊ से प्रोफेसर योगेंद्र प्रताप सिंह डॉक्टर अमरेंद्र त्रिपाठी प्रयागराज से डॉ मंजू द्विवेदी डॉक्टर सत्य प्रकाश पाल डॉक्टर अजीत कुमार पुरी वाराणसी से डॉक्टर मधुसूदन शर्मा प्रोफेसर प्रत्यूष दुबे प्रोफेसर विमलेश डॉक्टर देवेंद्र तिवारी डॉ नितिन श्रीवास्तव गोरखपुर से सिद्धार्थ शंकर प्रोफेसर राज कुमार छपरा से इसके अतिरिक्त संगोष्ठी में प्रतिभाग करने विभिन्न विश्वविद्यालयों महाविद्यालयों सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के संबद्ध महाविद्यालयों के हिंदी विषय में रुचि रखने वाले श्रोता शोधार्थी उपस्थित रहेंगे जानकारी सूचना जनसंपर्क अधिकारी डॉ अविनाश प्रताप सिंह ने दी है।

खंड शिक्षा अधिकारी ने किया डोर टू डोर कैंपन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। डोर टू डोर कैंपन के अंतर्गत बुधवार को खंड शिक्षा अधिकारी मिठवल द्वारा कम्पोजिट विद्यालय साड़ी कला के

शिक्षको के साथ गांव का भ्रमण कर लोगों को जागरूक किया गया। इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी राम कुमार सिंह ने ग्रामीणों से बातचीत करके अपने अपने बच्चों को विद्यालय भेजने, नामांकन कराने, तथा शासन द्वारा दिए जा रहे तमाम लाभो एवं योजनाओं से भी अवगत कराया, साथ ही साथ खंड शिक्षा अधिकारी राम कुमार सिंह ने संचारी रोग के बारे में भी विस्तृत रूप से ग्रामीण महिलाओं एवं पुरुषों को बतलाया, उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार स्वास्थ्य एवं शिक्षा को लेकर काफी जागरूक है, इसलिए आप सभी लोगों को इसका लाभ अवश्य उठाना चाहिए तथा इस कड़ी में यदि किसी ग्रामीणों को कोई कठिनाई महसूस होती है तो वह हमसे संपर्क कर सकते हैं। इस दौरान गांव के तमाम महिला पुरुष के साथ साथ सौरभ प्रकाश सिंह भी मौजूद रहे।

चौरीचौरा में आरोपितों की संपत्ति पर चलेगा बुलडोजर, एसएसपी ने जारी किया आदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। चौरीचौरा के में बवाल और तोड़फोड़ करने के आरोपितों के अवैध संपत्तियों की पुलिस विवरण एकत्रित करेगी। उसके बाद उस पर बुलडोजर चलेगा। एसएसपी डा. विपिन कुमार ताडा ने एसपी नार्थ को आरोपितों के अवैध संपत्तियों का विवरण एकत्रित कराने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने कहा है कि उसका विवरण तैयार करके उसकी कापी उन्हें व जिलाधिकारी को भेजी जाए। ताकि आरोपितों की अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलवाया जा सके। पुलिस ने बुलडोजर चलवाने की तैयारी पूरी कर ली है।

क्या होगी कार्यवाही, फर्जी तरीके से अस्पताल और अल्ट्रासाउंड हुये हैं सील

चन्दन कुमार श्रीवास्तव/
दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। बुधवार को जिले में अवैध तरीके से संचालित नर्सिंग होम के खिलाफ प्रशासन ने व्यापक अभियान छेड़ रखा है। इसी अभियान के तहत शोहरतगढ़ में उप जिला अधिकारी उत्कर्ष श्रीवास्तव की अगुवाई में छापेमारी की गई। इस छापेमारी में 3 अस्पतालों को अवैध मानते हुए सीज कर दिया गया है और उनके खिलाफ आगे कार्यवाही के लिए बात कही जा रही है। बुधवार को सिद्धार्थनगर जिले के शोहरतगढ़ तहसील में अवैध रूप से संचालित अस्पतालों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की गई। सिद्धार्थनगर जिले में अवैध रूप से बड़े पैमाने पर अस्पताल और अल्ट्रासाउंड सेंटर चलाए जा रहे हैं जिसकी शिकायत जिला प्रशासन और स्वास्थ्य महकमे को कई दिनों से की जा रही थी। इस बीच कई अस्पतालों में गैर विशेषज्ञ और फर्जी डॉक्टरों द्वारा इलाज करने की बातें भी सामने आ रही थी। इसी को संज्ञान में लेते हुए पूरे जिले में अस्पतालों के खिलाफ एक व्यापक अभियान छेड़ा गया है।

शोहरतगढ़ कस्बे में चलाए गए इस अभियान के तहत कई अस्पतालों की चेकिंग की गई जिसमें जनहित हॉस्पिटल एंड फ्रेक्चर क्लिनिक, चार्ल्स एंड चार्ली क्लीनिक और फातमा हेल्थ केयर को अवैध पाते हुए इन्हें सील कर दिया गया है। जबकि मिश्रा क्लीनिक को नोटिस देते हुए उन से 24 घंटे में कागजात दिखाने को कहा गया है। इस बारे में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी पीके वर्मा ने बताया कि यह सारी कार्रवाई एसडीएम की अगुवाई में बनाई गई टीम के द्वारा की गई है आगे भी इस तरह की कार्रवाई होती रहेगी। प्रशासन की इस कार्रवाई से जिले के स्वास्थ्य माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है अवैध रूप से संचालित अस्पतालों के मालिक मैं डर का माहौल है।

प्राशिसं की बैठक में शिक्षक समस्याओं पर हुई चर्चा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिला

कार्यसमिति की बैठक में सदस्यता अभियान की समीक्षा के साथ शिक्षक समस्याओं पर चर्चा की गईं। इस दौरान संगठन के पदाधिकारी रहे दिवंगत अश्विनी तिवारी के प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गईं। गुरूवार को विकास भवन सभागार में हुईं बैठक में जिलाध्यक्ष राधेरमण त्रिपाठी ने कहा कि संगठन की मजबूती सदस्यों से होती हैध। शिक्षक हितों के लिए संगठन ब्लाक से लेकर प्रदेश तक लगातार प्रयास कर रहा हैध। उन्होंने स्वर्गीय अश्विनी तिवारी को संगठन के प्रति समर्पित बताते हुए उनके कार्यों की चर्चा किया। मंत्री योगेंद्र पांडेय ने कहा कि संगठन शिक्षकों से जुड़ी हर समस्याओं के समाधान के लिए मजबूती से लगा हुआ हैध। बैठक में सभी ने संगठन के जुझारू पदाधिकारी रहे दिवंगत अश्विनी तिवारी को श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस दौरान अभय श्रीवास्तव, अरुण सिंह, सुधाकर मिश्रा इंद्रसेन सिंह, दिनेश दूबे, राममिलन, सुभाष वरुण, अशोक कुमार, रामप्रताप शर्मा, राम शंकर पांडेय, महेश कुमार, राम पाल आदि मौजूद रहे।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत स्वास्थ मेला का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। सीएचसी लोटन बाजार में देश आजादी के अमृत महोत्सव के तहत स्वास्थ मेला का आयोजन किया गया। तमाम विभागों द्वारा खाद्य सुरक्षा योजना,मातृ बंदना, आयुष्यमान भारत, होमियोपैथी, आयुर्वेद, कन्या सुमंगला आदि प्रदर्शनी स्टाल लगाए गए। कार्यक्रम की शुरुआत विधायक श्यामधनी राही ने फीता काटकर किया। उसके बाद सभी लगाये स्टालों को बारी बारी जाकर देखा मौजूद लोगों से कहा कि आज भाजपा शासनकाल में सभी बर्गो का तेजी से विकास हो रहा है। सभी तरह के विभागों के माध्यम से संचालित योजनाएं आम जनता तक पहुंच रहा है। एक ही जगहों पर मेला लगाकर हर तरह की सुविधाएं दी जा रही है। स्वास्थ विभाग द्वारा रोगियों को हर तरह से दवाएं उपलब्ध कराई जा रही है। इसका भरपूर लाभ लेना चाहिए। मुख्य चिकित्साधिकारी अनिल कुमार चौधरी ने कहा कि देश का विकास जिस तरह हो रहा है। इसके लिए लोगों का स्वास्थ रहना जरूरी है सभी स्वस्थ रहेंगे तो विकास भी होगा। सभी सरकारी अस्पतालों में डाक्टर व दवाओं का अभाव नहीं है। मेला लगाकर हर प्रकार के रोगियों का जांचकर दवाएं दी जा रही है। अंत में अधिक्षक अमित कुमार चौधरी सभी आभार व्यक्त किया। संचालन डा.केके यादव, डा.संजय गुप्ता, डा.नुपुर श्रीवास्तव, डा. रविकांत सिंह, डा डा.मोहम्मद अकरम, डा. रामनिवास, डा.राम आशीष यादव आदि चिकित्सक ने एक बजे तक 630 रोगियों की जांच कर दवाएं दिया गया। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष दृ गनारायन सिंह, मूसे सिंह, अजय सिंह, महेन्द्र मिश्र, बीडीओ अर्जुन प्रसाद, खंड शिक्षाधिकारी अशोक कुमार सिंह, अलोक कुमार सिंह, रमाकांत चतुर्वेदी, महेंद्र मिश्रा, पुनीता कसौधन, नीलम मिश्रा, तारा राय, रीना गुप्ता, नीतू सिंह सहित विभागों के लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय

अकेले प्रधानमंत्री ही नहीं, सभी दलों के नेताओं को मिलकर बोलना चाहिए। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं, इसलिए उनकी आवाज सबसे बुलंद होनी चाहिए। किसी भी नेता को वोट बैंक की हानि से डरना नहीं चाहिए। वे अपने वोट बैंक के चक्कर में भारत की एकता बैंक का दिवाला न पीट दें...

मुट्ठीभर उग्रवादियों के भरोसे भारत ?

रामनवमी और हनुमान जयंति के अवसरों पर देश के कई प्रदेशों में हिंसा और तोड़–फोड़ के दृश्य देखे गए। उत्तर भारत के प्रांतों के अलावा ऐसी घटनाएं दक्षिण और पूर्व के प्रांतों में भी हुईं। हालांकि इनमें सांप्रदायिक दंगों की तरह बहुत खून नहीं बहा लेकिन मुझे याद नहीं पड़ता कि आजाद भारत में ऐसी हिंसात्मक घटनाएं कभी कई प्रदेशों में एक साथ हुई हों। ऐसा होना काफी चिंता का विषय है। यह बताता है कि पूरे भारत में सांप्रदायिक विद्वेष की कोई ऐसी अदृश्य धारा बह रही है, जो किसी न किसी बहाने भड़क उठती है। विरोधी दलों ने संयुक्त बयान देकर पूछा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं? वे कुछ बोलते क्यों नहीं हैं? इस प्रश्न का भावार्थ यह है कि इन हिंसात्मक कार्रवाइयों को भाजपा सरकार का आशीर्वाद प्राप्त है। विरोधी दलों के नेता इन कार्रवाइयों के लिए सत्ताधारी भाजपा को जिम्मेदार ठहराना चाहते हैं।

यहां यह सवाल भी विचारणीय है कि क्या इस तरह के सांप्रदायिक दंगे और हिंसात्मक घटना–क्रम सिर्फ भाजपा शासन–काल में ही होते हैं? कांग्रेसियों, कम्युनिस्टों और समाजवादियों के शासनकाल में ऐसी घटनाएं क्या बिलकुल नहीं हुई हैं? यह हमारे भारतीय समाज का स्थायी चरित्र बन गया है कि हम अपने राष्ट्र से भी कहीं ज्यादा महत्व अपनी जात और अपने मजहब को देते हैं। 1947 के बाद जिस नए शक्तिशाली और एकात्म राष्ट्र का हमें निर्माण करना था, उस सपने का थोक वोट की राजनीति ने चूरा–चूरा कर दिया। थोक वोट के लालच में सभी राजनीतिक दल जातिवाद और सांप्रदायिकता का सहारा लेने में जरा भी संकोच नहीं करते। भारत में ऐसे लोग सबसे ज्यादा हैं, जिनका नाम सुनते ही उनमें से उनकी जात और मजहब का नगाड़ा बजने लगता है। जो कोई अपनी जात और मजहब को बनाए रखना चाहते हैं, उन्हें उसकी पूरी आजादी होनी चाहिए लेकिन उनके नाम पर घृणा फैलाना, ऊँच–नीच को बढ़ाना, दंगे और तोड़–फोड़ करना कहां तक उचित है? यही प्रवृत्ति देश में पनपती रही तो भौगोलिक दृष्टि से तो भारत एक ही रहेगा लेकिन मानसिक दृष्टि से उसके टुकड़े–टुकड़े हो जाएंगे। यह खंड–खंड में बंटा भारत क्या कभी महाशक्ति बन सकेगा? क्या वह अपनी गरीबी दूर कर सकेगा? मुझे तो डर यह लगता है कि 22 वीं सदी पूरी होते–होते कहीं ऐसा न हो जाए कि भारत के हर प्रांत और हर जिले को सांप्रदायिक और जातिवादी आधार पर बांटने की मांग पनपने लगे। आज भारत की राजनीति में अनेक सक्रिय दल ऐसे हैं, जिनका आधार शुद्ध संप्रदायवाद या शुद्ध जातिवाद है। यह राष्ट्रीय समस्या है। इसका समाधान अकेले प्रधानमंत्री या उनका अकेला राजनीतिक दल कैसे कर सकता है? इस पर तो सभी दलों की एक राय होनी चाहिए। अकेले प्रधानमंत्री ही नहीं, सभी दलों के नेताओं को मिलकर बोलना चाहिए। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं, इसलिए उनकी आवाज सबसे बुलंद होनी चाहिए। किसी भी नेता को वोट बैंक की हानि से डरना नहीं चाहिए। वे अपने वोट बैंक के चक्कर में भारत की एकता बैंक का दिवाला न पीट दें, यह सोच जरुरी है।

भारत–जैसा विविधतामय देश दुनिया में कोई और नहीं है। जितने धर्म, जितनी जातियां, जितनी भाषाएं, जितने खान–पान, जितनी वेश–भूषाएं और जितने रंगों के लोग भारत में प्रेम से रहते हैं, दुनिया के किसी भी देश में नहीं रहते। क्या ऐसे करोड़ों भारतवासी मुट्ठीभर उग्रवादियों के हाथ के खिलौने बनना पसंद करेंगे?

विकट स्थिति में दुनिया

संयुक्त राष्ट्र की एक ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि महामारी ने पिछले साल सात करोड़ से ज्यादा लोगों को अत्यधिक गरीबी में डुबो दिया। उधर कई विकासशील देश कर्ज पर दिए जाने वाले भारी ब्याज के कारण महामारी के दुष्प्रभावों का शिकार हो रहे हैं। इससे भयानक स्थिति पैदा हो रही है।

यूक्रेन युद्ध का एक बड़ा नुकसान यह हुआ है कि कोरोना महामारी और उसकी वजह से पैदा हुई समस्याओं पर से दुनिया का ध्यान हट गया है। जबकि ऐसी कई गंभीर समस्याओं पर से लगातार परदा हट रहा है। मसलन, संयुक्त राष्ट्र की एक ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि महामारी ने पिछले साल सात करोड़ से ज्यादा लोगों को अत्यधिक गरीबी में डुबो दिया। उधर कई विकासशील देश कर्ज पर दिए जाने वाले भारी ब्याज के कारण महामारी के दुष्प्रभावों का शिकार हो रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अमीर देश बेहद कम ब्याज पर उधार ली गई रिकॉर्ड राशि के साथ महामारी की मंदी से उबर सकते हैं। लेकिन गरीब देश अभी भी अपना कर्ज चुकाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस स्थिति ने विशाल वैश्विक वित्तीय अंतर पैदा कर दिया है। गरीब देशों ने अपना कर्ज चुकाने में अरबों डॉलर खर्च किए। उन्हें उच्च ब्याज दर पर ऋण मिला था, इसलिए वे शिक्षा और स्वास्थ्य सुधार, पर्यावरण और असमानता घटाने की दिशा में ज्यादा खर्च नहीं कर सके।

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक 2019 में 81.2 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में जी रहे थे। ये लोग और रोजाना 1.90 डॉलर या उससे कम खर्च करने की क्षमता रखते थे। 2021 तक महामारी के बीच ऐसे लोगों की संख्या बढ़कर 88.9 करोड़ हो गई। जाहिर है, इस रिपोर्ट ने भयानक तस्वीर हमारे सामने रखी है। लाखों लोगों को भूख और गरीबी से बाहर निकालने की चुनौती दुनिया के सामने आ गई है। जलवायु परिवर्तन और कोविड–19 महामारी ने स्थिति को पहले ही भयानक बना दिया था। अब यूक्रेन युद्ध का वैश्विक प्रभाव भी महसूस किया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र के एक विश्लेषण से संकेत मिला है कि यूक्रेन में युद्ध के परिणामस्वरूप 1.7 अरब लोगों को भोजन, ऊर्जा और खाद की उच्च कीमतों का सामना करना पड़ रहा है। इस कारण 2023 के आखिर तक 20 फीसदी विकासशील देशों में प्रति व्यक्ति जीडीपी 2019 से पहले के स्तर पर नहीं लौटेगी। इसमें यूक्रेन युद्ध के कारण होने वाली अतिरिक्त लागत शामिल नहीं है। जो गरीब देश कर्ज चुकाने पर अरबों डॉलर खर्च कर रहे हैं, उन्हें शिक्षा और बुनियादी ढांचे पर खर्च में कटौती करनी पड़ रही है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक अमीर देश अपनी आय का 3.5 फीसदी कर्ज चुकाने पर खर्च करते हैं। जबकि गरीब देशों को अपनी आय का 14 फीसदी खर्च करना पड़ता है।

एक धक्का और का खतरनाक शोर

टूटे–फूटे ढांचे, रोते–बिलखते–चीखते–चिल्लाते मजबूर लोग, सड़क पर औंधा पड़ा महात्मा गांधी की तस्वीर वाला पोस्टर, जिस पर लिखा है मेरा भारत महान, टीआरपी बढ़ाने की गरज से तमाशेबाज एंकरों का जमावड़ा, ये सारी तस्वीरें दिन भर सोशल मीडिया पर छाई रहीं। बुलडोजर संस्कृति से नागरिक समाज विचलित है। ऐसा लग रहा है कि संसद और न्यायपालिका को भी बुलडोजर का डर दिखाया जा चुका है...

देश को हिंदू राष्ट्र में तब्दील करने की सनक पर कितनी तेजी से काम हो रहा है, इस बात का अंदाजा जगह–जगह चलते बुलडोजरों से लगाया जा सकता है। मुसलमानों को पहले ही हिंदुत्व से आक्रांत करने की कोशिशें चल रही हैं। हनुमान जयंती, रामनवमी और दुर्गापूजा के मौकों पर जो शोभायात्राएं देश के कई स्थानों में निकाली गईं, उनमें शोभा कितनी थी और धर्मांधता का उत्पात कितना था, यह जागरुक जनता ने देखा है। इन तथाकथित शोभायात्राओं का इस्तेमाल मुसलमानों को डराने–धमकाने के लिए किया गया। जान बूझ कर उकसाने वाली बातें की गईं ताकि प्रतिवाद हो, हिंसा भड़के और फिर अल्पसंख्यकों पर बहुसंख्यकों का जोर दिखाया जा सके। जब ऐसा हुआ तो फिर उत्पात वाले इलाकों में अचानक प्रशासन को अवैध निर्माण नजर आने लगा, मानो इससे पहले वो सारा निर्माण अदृश्य था, जो प्रशासन को कभी नजर ही नहीं आया। ऐसा नहीं है कि इससे पहले देश में कभी अवैध निर्माण तोड़े नहीं गए। कई प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों की नाराजगी मोल लेते हुए नियम–कायदों के तहत अवैध निर्माण तुड़वाएं हैं। लेकिन उसकी एक प्रक्रिया होती है। लोगों को नोटिस जारी किया जाता है, अपना सामान खाली करने का वक्त दिया जाता है। मगर इस वक्त देश में जो हो रहा है, उसे वैध गुंडागर्दी के अलावा और क्या नाम दिया जाए, ये समझ नहीं आ रहा। उत्तरप्रदेश से निकाली गई बुलडोजर रथयात्रा अब मध्यप्रदेश और गुजरात के बाद दिल्ली भी पहुंच चुकी है। दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में शनिवार रात हनुमान जयंती के मौके पर हिंसा भड़क गई थी। शोभायात्रा में हथियार लहराए गए, दो समुदायों के बीच भिड़ंत हुई और दिल्ली पुलिस एक बार फिर हिंदी फिल्मों की पुलिस वाला किरदार निभाती नजर आई। दो साल में दो बार दिल्ली दंगों का शिकार होती दिखी और दिल्ली में बैठे देश के बड़े सूरमाओं को इसकी भनक भी नहीं हुई कि आखिर हिंसा भड़की कैसे। सरकार से ये सवाल पूछा जा सकता है कि जब दिल्ली पुलिस आपके अधीन है, तब उससे बार–बार एक जैसी चूक कैसे हो जाती है। हालात बिगड़ जाते हैं और पुलिस को पता ही नहीं चलता कि इसके पीछे जिम्मेदार कौन है। कोई सोता रहे तो उसे उठाया जा सकता है, मगर सोने का नाटक करने वाले को उठाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है। इसलिए दिल्ली पुलिस या केंद्र सरकार से हालात संभालने की ईमानदार कोशिशों वाली उम्मीद रखना बेकार है। ऐसा लग रहा है कि सब मोहन भागवत के बताए हुए महान लक्ष्य को पूरा करने में दिन–रात एक किए हुए हैं। श्री भागवत ने कितने प्यार से धमकी दी थी कि हम अहिंसा में यकीन रखते हैं, लेकिन हाथ में लाठी भी लेते हैं। अब वही धमकी चरितार्थ होते दिख रही है। रमजान के मौकों पर मुसलमानों के घरों–दुकानों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें ये संदेश दिया जा रहा है कि भारत में अब संविधान, लोकतंत्र सब हाशिए पर जा चुके हैं, और हिंदू राष्ट्र बनाने की पूरी तैयारी हो चुकी है। जहांगीरपुरी हिंसा में अभी जख्म हरे ही थे कि वहां बुलडोजर पहुंचाकर भाजपा ने उन्हें और कुरेद दिया। कहने को तो जहांगीरपुरी में अवैध निर्माण तोड़ने की कार्रवाई एमसीडी की थी, लेकिन इसके पीछे सोच किसकी रही होगी, ये समझना कठिन नहीं है। कुछ विपक्षी नेताओं की आपत्ति और सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाने के बाद अदालत ने इस कार्रवाई को रोकने और यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए, मगर बावजूद इसके बुलडोजर कुछ जगहों पर चल ही गया। माकपा नेता वृंदा करात ने मौके पर पहुंचकर हस्तक्षेप किया और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी अवैध निर्माण के खिलाफ चल रही एमसीडी की कार्रवाई पर आपत्ति जताई। वृंदा करात की ही तरह अगर विपक्ष के बाकी नेता भी इसी तरह प्रशासनिक दबंगई के खिलाफ पीड़ितों के हक में सड़कों पर उतर जाएं और सरकार से जवाबदेही की मांग करें तो मजबूरन सरकार को झुकना पड़ेगा। अफसोस इस बात का है कि विपक्ष के नेता इस तरह का जज्बा अक्सर चुनावों के वक्त ही दिखलाते हैं। विपक्ष यूं ही कमजोर नहीं हुआ है, अपनी अकर्मण्यता से कमजोर हुआ है। टूटे–फूटे ढांचे, रोते–बिलखते–चीखते–चिल्लाते मजबूर लोग, सड़क पर औंधा पड़ा महात्मा गांधी की तस्वीर वाला पोस्टर, जिस पर लिखा है मेरा भारत महान, टीआरपी बढ़ाने की गरज से तमाशेबाज एंकरों का जमावड़ा, ये सारी तस्वीरें दिन भर सोशल मीडिया पर छाई रहीं। बुलडोजर संस्कृति से नागरिक समाज विचलित है। ऐसा लग रहा है कि संसद और न्यायपालिका को भी बुलडोजर का डर दिखाया जा चुका है। दुनिया के कई देशों में इस वक्त तबाही का मंजर है। भारत अपने अनूठे संविधान, संस्कृति और गंगा–जमुनी तहजीब के कारण ही बचा हुआ था, पर एक धक्का और का नारा अब बुलंद होता जा रहा है।

लेकिन सवाल है कि भाजपा के नेता भी अगर बेईमान हों तो क्या इससे विपक्ष के नेताओं की बेईमानी ईमानदारी में बदल जाएगी ? हो सकता है कि भाजपा के नेता भी बेईमान हों लेकिन इस वजह से कांग्रेस या दूसरे दलों के नेताओं पर होने वाली कार्रवाई को गलत नहीं ठहराया जा सकता है। यह नैतिकता का सवाल हो सकता है लेकिन राजनीति नैतिकता से नहीं चलती है। सो, विपक्षी ...

विपक्ष की हाय तौबा से भाजपा को फायदा

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस सहित लगभग सभी विपक्षी पार्टियों के नेताओं के ऊपर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई चल रही है। लगभग सभी के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों– सीबीआई, आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की कार्रवाई भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में हो रही है। दिलचस्प बात यह है कि एकाध अपवादों को छोड़ दें तो गिरफ्तारी किसी की नहीं हुई है। उलटे जो लोग पहले से केंद्रीय एजेंसियों की जांच के दायरे में थे उनकी रिहाई हो गई है। केंद्र की पिछली यूपीए सरकार के समय 2जी घोटाले का सबसे बड़ा हल्ला मचा था लेकिन इसके सारे आरोपी सीबीआई की विशेष अदालत से बरी हो गए हैं। बाकी घोटालों जैसे कोयला घोटाला, आदर्श हाउसिंग सोसायटी घोटाला, कॉमनवेल्थ खेल घोटाला, एंट्रिक्स–देवास घोटाला आदि की भी कहीं चर्चा नहीं होती है। विपक्ष के नेताओं की नए नए मामलों में जांच चल रही है और सबके सिर पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई है। यंग इंडियन और एसोसिएटेड जर्नल्स के केस में सोनिया और राहुल गांधी दोनों उलझे हैं लेकिन केंद्रीय एजेंसियां उनके साथ साथ मल्लिकार्जुन खडगे और पवन बंसल से भी पूछताछ कर रही हैं। मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीज जब तक जीवित थे, तब तक उनसे भी पूछताछ होती थी। बरसों से यह मामला एक कदम भी आगे नहीं बढ़ पाया है। केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का दायरा कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से असम तक है। क्रिकेट एसोसिएशन और बैंक घोटाले में कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला दोनों से पूछताछ हुई है तो केरल के मुख्यमंत्री तक सोने की तस्करी की जांच पहुंची है। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी यानी शिव सेना, एनसीपी और कांग्रेस के कोई 14 नेताओं और मंत्रियों के खिलाफ जांच चल रही है तो पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी व उनकी पत्नी सहित तृणमूल के एक दर्जन नेताओं पर जांच चल रही है। राष्ट्रीय जनता दल, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, वाईएसआर कांग्रेस, एनसीपी, शिव सेना, डीएमके, अन्ना डीएमके से लेकर ईमानदार राजनीति करने का दावा करने वाली आम आदमी पार्टी तक कोई भी दल नहीं है, जिसके बड़े नेताओं के खिलाफ जांच नहीं चल रही है या जिनके ऊपर केंद्रीय एजेंसियों की तलवार नहीं लटकी हुई है। ध्यान रहे जांच सबकी चल रही है, छापे पड़ रहे हैं और पूछताछ भी हो रही है लेकिन गिरफ्तार सिर्फ दो–तीन नेता ही हुए हैं। वह भी पार्टी के सर्वोच्च नेता नहीं, बल्कि दूसरी–तीसरी पंक्ति के नेता। क्या विपक्षी पार्टियों को इसका मतलब नहीं समझ रहा है? इसका सीधा मतलब यह है कि सरकार उनकी साख खराब करने का काम कर रही है। उनको डिसक्रेडिट किया जा रहा है। आम लोगों के मन में उनकी छवि बेईमान नेता की बनाई जा रही है। ऐसा नहीं है कि विपक्षी नेताओं के खिलाफ झूठे मुकदमे हुए हैं। मामले पुराने भले हैं लेकिन केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का आधार है। आरोप छोटा हो या बड़ा लेकिन केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई ने आम लोगों के मन में विपक्ष के नेताओं की छवि खराब की है। पहले नेता पर आरोप लगते थे या गिरफ्तारी होती थी तो उनके प्रति लोगों की सहानुभूति बढ़ती थी, उनके समर्थक एकजुट होते थे लेकिन अब ऐसा नहीं होता है। क्योंकि अब नेताओं पर कार्रवाई राजनीतिक मुकदमे में नहीं हो रही है, बल्कि भ्रष्टाचार के मुकदमे में हो रही है। नेता संपूर्ण क्रांति आंदोलन या अयोध्या आंदोलन, निजीकरण, उदारवाद, महंगाई आदि के विरोध प्रदर्शन में नहीं पकड़े जा रहे हैं। आंदोलन तो नेता लोग ट्विटर पर कर रहे हैं। केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई तो कर चोरी, धन शोधन या भ्रष्टाचार से जुड़े दूसरे मामलों में हो रही है। केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई पर विपक्षी पार्टियां जिस तरह से हाय तौबा मचा रही हैं उससे भी इसका प्रचार हो रहा है। एक तरफ सरकार और सत्तारूढ़ दल का मीडिया व सोशल मीडिया में प्रचार है और ऊपर से विपक्षी पार्टियां हाय तौबा मचा कर खुद ही इसका प्रचार कर दे रही हैं। कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों के नेता केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई को बदले की कार्रवाई बताती हैं और एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप लगाती हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने जब सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता कहा था तब तो कांग्रेस के नेतृत्व वाली ही सरकार थी! क्या कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों ने तब इन एजेंसियों का दुरुपयोग नहीं किया था? कांग्रेस ने तो अपने ही लोगों के खिलाफ इन एजेंसियों का खुला दुरुपयोग किया था। अपने पिता के निधन के बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी पर दावा कर रहे जगन मोहन रेड्डी को कांग्रेस ने बदले की कार्रवाई के तहत जेल भेजा था। कांग्रेस के समर्थन से झारखंड के मुख्यमंत्री बने मधु कोड़ा के खिलाफ कांग्रेस ने बदले की कार्रवाई की थी। सुरेश कलमाडी से लेकर मारन बंधुओं और कनिमोझी तक के खिलाफ क्या कांग्रेस के समय केंद्रीय एजेंसियों ने तटस्थता से काम किया था? क्या राज्यों में जहां गैर भाजपा दलों की सरकार है वहां पुलिस निष्पक्ष और तटस्थ होकर काम कर रही है? असल में विपक्षी पार्टियों ने जो बोया है वह काट रहे हैं। इस तर्क से उनका बचाव नहीं हो सकता है कि उनके समय केंद्रीय एजेंसियों का कम दुरुपयोग हुआ और अब ज्यादा दुरुपयोग हो रहा है या उनके समय मामला ढका–छिपा था और अब खुलेआम हो रहा है। उलटे केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के खिलाफ विपक्षी पार्टियां जितना हाय तौबा मचाती हैं उतना उनका नुकसान होता है। लोगों में यह धारणा बनती है कि अगर नेता ने कोई गड़बड़ी नहीं की है तो कार्रवाई से क्यों डर रहा है। ध्यान रहे सीबीआई सहित तमाम केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ तमाम प्रचार के बावजूद उनकी साख बहुत खराब नहीं हुई है। इसका कारण यह है कि विपक्षी पार्टियां खुद भी हर घटना पर सीबीआई जांच की मांग करती रहती हैं। आम लोग भी कोई घटना होने पर सीबीआई जांच की मांग करते हैं। अदालतें किसी गंभीर मामले को उठाती हैं तो सीबीआई जांच की सिफारिश करती हैं। एक सवाल यह भी उठता है कि केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई भाजपा नेताओं के खिलाफ क्यों नहीं होती है? कोई भी नेता भाजपा में शामिल हो जाता है उसकी जांच क्यों बंद हो जाती है? क्या भाजपा के सारे नेता दूध के धुले हैं? हकीकत यह है कि कोई दूध का धुला नहीं है। एक बार जिस पार्टी या नेता ने राज कर लिया या शासन में रह लिया उसके ईमानदार रहने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता। लेकिन सवाल है कि भाजपा के नेता भी अगर बेईमान हों तो क्या इससे विपक्ष के नेताओं की बेईमानी ईमानदारी में बदल जाएगी? हो सकता है कि भाजपा के नेता भी बेईमान हों लेकिन इस वजह से कांग्रेस या दूसरे दलों के नेताओं पर होने वाली कार्रवाई को गलत नहीं ठहराया जा सकता है। यह नैतिकता का सवाल हो सकता है लेकिन राजनीति नैतिकता से नहीं चलती है। सो, विपक्षी पार्टियों को हाय तौबा मचाने की बजाय जांच का सामना करना चाहिए, कानूनी लड़ाई लडनी चाहिए और साथ साथ राजनीतिक लड़ाई भी लडनी चाहिए ताकि उन्हें भी मौका मिले और वे भी अपने हिसाब से एजेंसियों का इस्तेमाल कर सकें।

जाम से परेशान रहे लोग, वाहनों की लगी लंबी कतार

देवरिया। शहर में दिन जाम के नाम रहा। सिविल लाइंस रोड पर जाम से वाहन रेंगते रहे। यातायात व्यवस्था को संभालने में पुलिसकर्मियों व होमगार्ड्स को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। गोरखपुर रोड स्थित ओवरब्रिज से रुद्रपुर मोड़ तक वाहनों रेंगते नजर आए। ओवरब्रिज के पास वाहन चालकों की मनमानी से जाम की स्थिति बन गई। डीएम आवास के सामने होमगार्ड्स यातायात व्यवस्था को संभाल रहे थे लेकिन जाम के कारण वह भी परेशान दिखे। यही हाल रोडवेज के सामने दिखा। टीएसआइ त्रिवेंद्र मौर्य समेत अन्य पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के बाद भी जाम की स्थिति बनी रही। जिला अस्पताल जाने वाले मरीजों व उनके तीमारदारों को परेशानी उठानी पड़ी। इसके अलावा कोतवाली रोड, मालवीय रोड, जलकल रोड आदि जगहों पर भी वाहनों की भीड़ के कारण जाम लगा रहा। एक तरफ गर्मी से लोग बेहाल थे तो दूसरी तरफ जाम में फंसकर जिम्मेदारों को कोस रहे थे। लोगों का कहना था कि शहर में यातायात व्यवस्था चौपट हो गई है। जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं। जिसके कारण यह स्थिति बनी हुई है। सीओ श्रीयश त्रिपाठी ने बताया कि जाम की समस्या को देखते हुए यातायात पुलिस के साथ होमगार्ड्स तैनात किए गए हैं। कभी कभी दिक्कत आ जा रही है।

भाजपा का प्रयास, हर जरूरतमंद तक पहुंचे योजनाओं का लाभरू डा. रमापति

देवरिया। मझगांवा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की तरफ से बढया बुजुर्ग गांव में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। सांसद डा. रमापति राम त्रिपाठी व जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने स्टालों का निरीक्षण किया। सांसद ने कहा कि एक जगह संचालित योजनाओं स्वास्थ्य, आयुष्मान भारत, दिव्यांग सशक्तीकरण सहित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि जरूरतमंदों तक संचालित योजनाओं को लाभ पहुंचाने के लिए मेले का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आलोक पांडेय ने कहा कि इस स्वास्थ्य मेला में स्वास्थ्य विभाग की ओर से दवा वितरण से लेकर मरीजों का इलाज डाक्टर कर रहे हैं। क्षय, ह्रदय रोग, चर्म रोग, वेक्टर जनित रोग एवं दिव्यांगता परीक्षण के लिए विशेषज्ञों की टीम भी कार्य कर रही है। इसका लाभ उठाने की जरूरत है। इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी कृष्णकांत राय आदि मौजूद रहे।

पीएचसी भटनी में हुआ स्वास्थ्य मेले का आयोजन

भटनी। पीएचसी प्रांगण में स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि रामपुर कारखाना विधायक सुरेन्द्र चौरसिया ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन किया। साथ ही बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार किया। विधायक ने कहा कि जनता की कोई समस्या है तो उसका समाधान हर हालत में कराया जाएगा। भटनी पीएचसी पर महिला डाक्टर की तैनाती करने, पेयजल व शौचालय के इंतजाम कराने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर ब्लाक के 14 नव युवक मंगल दल को खेल किट व प्रमाण पर दिया गया, जिसमें आठ महिला दल व छह युवक दल शामिल हैं। मेले में राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय भटनी के प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. अभिषेक आनंद, फार्मासिस्ट महेंद्र कुमार शुक्ल ने दवा वितरित किया। 126 रोगियों की जांच के बाद दवा दी गई। फाइलेरिया के 12 व कुष्ठ विभाग के दो रोगियों को किट दी गई। मानसिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा 31 लोगों की जांच की गई। इस अवसर पर एसीएमओ सुरेंद्र सिंह, जिला अस्पताल की क्लीनिकल साइकोलाजिस्ट डा.नेत्रिका पांडेय, विश्वदीपक पांडेय, प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. एनपी सिंह, डा. डीके सिंह, प्रमोद कुमार मिश्र, मोहनलाल गुप्ता, अशोक कुमार वर्मा, टुनटुन, शैलेंद्र कुमार मिश्र, आशीष पासवान, आशा ओझा, विनोद कुमार दीक्षित, दिलीप तिवारी, एके पांडेय, अमित तिवारी मुन्ना आदि उपस्थित रहे। संचालन मारुतिनंदन ने किया।

तेज धूप व धूल भरी हवाओं से जनजीवन अस्त-व्यस्त

परसामलिक। चिलचिलाती धूप व धूल भरी हवाओं ने इंसान ही नहीं पशु पक्षियों का भी हाल बेहाल कर दिया है। भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए लोग तरह–तरह के उपाय करते नजर आ रहे हैं। मौसम का असर खेती बारी से लेकर कारोबार तक पर पड़ा है। अधिकतम तापमान 40 डिग्री पार होने से धरती तपती रही, इससे लोग बेहाल हो गए हैं। अप्रैल की गर्मी अब लोगों पर भारी पड़ने लगी है। सुबह नौ बजे से ही आग उगलती सूरज किरणें, मानों सब कुछ झुलसा देने पर आमादा हैं । रोजमर्रा के कार्यों के लिए लोग मजबूरी में ही घरों से बाहर निकलना चाह रहे हैं। हमेशा आवाजाही से गुलजार रहने वाली सड़कें भी दोपहर होते–होते पूरी तरह से सूनी हो जा रही हैं। घरों में पंखे गर्म हवा फेंक रहे हैं तो बाहर झुलसा देने वाली हवा की लपटें कहीं से भी राहत देती नहीं दिख रही हैं। चौक चौराहे पर निकले लोग शीतल पेय, जूस, लस्सी पीकर अपनी हलक को ठंडा रखने की कोशिश करते देखे जा रहे हैं। खुले आसमान के नीचे काम करने वाले दिहाड़ी श्रमिकों व किसानों पर भी मौसम की बेरुखी भारी पड़ रही है। बेसहारा पशु तो सूरज की तपिश से बचने के लिए छांव की तलाश में भागते देखें जा रहे हैं। तालाबों का जलस्तर दिनों दिन कम होने से पशु–पक्षियों के समक्ष पीने के पानी का संकट गहराता जा रहा है ।

78 वाहनों का किया गया चालान

महराजगंज। सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत चलाए गए अभियान में बिना हेलमेट के चल रहे 62 और बगैर सीट बेल्ट के छह तथा मोबाइल से बात करने में 10 वाहनों का चालान किया गया। इस प्रकार अभियान के तीसरे दिन कुल 78 वाहनों का चालन किया गया। इस दौरान सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी आरसी भारतीय, यातायात प्रभारी जेपी यादव, यात्री कर अधिकारी मथुरा प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

हनुमानजी के पीठ पर श्रीराम को बैठाने में छिपा है रहस्य

देवरिया। क्षेत्र के बारीपुर हनुमान मंदिर परिसर में चल रहे श्रीराम कथा के अंतिम दिन मानस मर्मज्ञ राजन महाराज ने सीता खोज, हनुमान सुग्रीव से मित्रता, रावण–दहन व राम के वापस अयोध्या लौटने की कथा को रोचक ढंग से सुनाया। कहा कि हनुमान दोनों भाई राम लक्ष्मण को अपने पीठ पर बैठाकर सुग्रीव के पास पर्वत पर ले गए। पीठ पर बैठाकर ले जाने का मर्म बताते हुए कहा कि हनुमान जी के पीठ पर श्रीराम के बैठाने में भी रहस्य छिपा है। हनुमान जी ने सोचा कि प्रभु श्रीराम मेरे पीठ पर बैठेंगे तो मुझे पकड़े रहेंगे और जिसको प्रभु पकड़ेंगे। उसे दुनिया की कोई ताकत गिरा नहीं सकती। इसके पूर्व श्रीराम के राज्याभिषेक का प्रसंग सुन मौजूद लोग भाव विभोर हो गए। श्रीराम ने सुग्रीव से मित्रता निभाते हुए बालि का वध कर सुग्रीव को राजा व अंगद को युवराज बनाया। कुछ समय बीतने पर सुग्रीव राज–पाट में लगकर श्रीराम के कार्य भगवती सीता की खोज करना भूल जाते हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्य को ईश्वर की याद तभी आती है जबतक उनके जीवन में दुख आता रहता है। सीता की खोज में निकले जामवंत व हनुमान से जटायु के भाई संपाती की भेंट होती है और जामवंत के द्वारा हनुमान को राम काज के लिए प्रेरित किया जाता है। तब हनुमान लंका के लिए प्रस्थान करते हैं। वहां सीता से हनुमान की सुखद मुलाकात के साथ–साथ संवाद होता है। उसके बाद अशोक वाटिका में हनुमान के तांडव, अक्षय कुमार वध, लंका दहन, सीता का आशीर्वाद लेकर वापस, प्रभु श्रीराम को सीता खोज की खबर, राम सेना का लंका प्रस्थान,विभीषण से मैत्री उनका राज्याभिषेक, रावण वध और पुष्पक विमान से वापसी व राज्याभिषेक की कथा कहते हुए मानस मर्मज्ञ राजन महाराज ने कथा को विश्राम दिया। कथा के अंतिम दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। बारीपुर मंदिर के उत्तराधिकारी गोपाल दास महाराज ने सभी अतिथियों व आगंतुकों के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर मंदिर के महंत शिव चरण दास, अंगद तिवारी, डा. मधुसूदन मिश्रा, विनय तिवारी वंटी, बब्बू शाही, नीतीश कुमार यादव, गजेन्द्र मिश्रा, अर्चना मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे ।

टेंपो पलटने से सात छात्र–छात्राओं समेत आठ घायल, दो गंभीर

देवरिया। कोतवाली क्षेत्र के सेमरौना के समीप सुबह लगभग नौ बजे टेंपो पलटने से सात छात्र–छात्राओं समेत आठ लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुद्रपुर ले जाया गया। वहां से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। दो छात्रों की हालत गंभीर देख मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। सभी छात्र–छात्राएं रुद्रपुर उपनगर स्थित सेंट थामस स्कूल में पढ़ती हैं। महदहा के रहने वाले बिहारी यादव टेंपो चालक हैं। टेंपो से प्रतिदिन स्कूल पहुंचाते हैं। सुबह भी छात्र–छात्राओं को लेकर वह जा रहे थे। टेंपो अचानक सेमरौना के समीप अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना में एकौना की रहने वाली कक्षा दस की छात्रा विजयलक्ष्मी यादव, आयुष यादव व युवराज यादव, पांडेय माझा के रहने वाले कक्षा दस के छात्र सत्यम सिंह, एकौना की रहने वाली कक्षा तीन की छात्रा अंशिका यादव, एकौना की रहने वाली एलकेजी की छात्रा प्रियल, एकौना के ही राज यादव घायल हो गए।

इसके अलावा टेंपों चालक भी घायल हो गया। आसपास के लोगों के सहयोग से पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सीएचसी रुद्रपुर पहुंचाया। वहां से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायलों में आयुष व प्रियल की हालत गंभीर है। मेडिकल कालेज गोरखपुर में उनका उपचार हो रहा है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक डा.श्रीपति मिश्र, बीएसए संतोष राय, एडीआइओएस महेंद्र प्रसाद, एसडीएम सौरभ सिंह, सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी समेत अन्य अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। जिलाधिकारी ने बताया कि छात्रों का बेहतर उपचार दिया जा रहा है। पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है।

खंड विकास अधिकारियों का रुकेगा वेतन

देवरिया। मुख्य विकास अधिकारी रवींद्र कुमार ने वर्चुअल तरीके से मनरेगा की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि गौरीबाजार में 20, लार में 19, पथरदेवा में 15 ग्राम पंचायतों में कार्य शुरू नहीं हो सका है। जबकि भागलपुर, लार, बैतालपुर, गौरीबाजार, देवरिया, बरहज, बनकटा व भाटपाररानी में श्रमिकों का नियोजन कम है। उन्होंने खंड विकास अधिकारियों का वेतन व तकनीकी सहायकों का मानदेय रोकने का निर्देश दिया। तालाबों की खुदाई की समीक्षा में पाया कि गौरीबाजार व पथरदेवा में एक, भागलपुर में दो, बनकटा में तीन, बरहज, रुद्रपुर, तरकुलवा व लार में चार से कम तालाबों की खुदाई होने पर खंड विकास अधिकारियों को चेतावनी दी गई। कहा कि हर गांव में मनरेगा के तहत कार्य शुरू करा दिए जाएं। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बीएसए कार्यालय में तैनात दो लिपिक समेत तीन पर हो सकती है कार्रवाई बीएसए कार्यालय में तैनात दो लिपिक व एक सहायक अध्यापक की नियुक्ति पर कार्रवाई का खतरा मंडराने लगा है। सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक गोरखपुर ने तीनों के विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। बीएसए ने तीनों से जवाब तलब किया है। बनकटा विकास खंड के ग्राम बभनौली के रहने वाले राममूरत यादव ने शिकायत की थी कि कार्यालय में तैनात दो लिपिक व एक सहायक अध्यापक की नियुक्ति मृतक आश्रित कोटे के तहत की गई है। साथ कूटरचित कागजात लगाने का आरोप है।

शिकायत पर सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक गोरखपुर डा.सत्य प्रकाश त्रिपाठी ने जांच कराई है। जांच में शिकायत सत्य पाई गई है। एडी बेसिक का फरमान आते ही बीएसए कार्यालय में खलबली मच गई है। बीएसए संतोष कुमार राय ने कहा कि निर्देश आए हैं। निर्देश के क्रम में तीनों से जवाब तलब किया गया है। जवाब व साक्ष्य मिलने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे स्वास्थ्य विभाग की योजनाएंः पंकज चौधरी

महराजगंज। सरकार को आमजन के स्वास्थ्य की चिता है। सरकार की सोच है कि स्वास्थ्य विभाग की योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसी उद्देश्य से स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जा रहा है। प्रत्येक व्यक्ति स्वास्थ्य की जांच कराएं और निरोग रहे। यह बातें केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने परतावल बीआरसी और घुघली सीएचसी पर आयोजित मेले का शुभारंभ करने के बाद कहीं। इस दौरान मेले में 1450 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निशुल्क दवा और परामर्श दी गई। परतावल, घुघली संवाददाता के अनुसार केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने कहा कि मेले में अंग्रेजी, होम्योपैथी एवं आयुर्वेदिक आदि स्टालों के माध्यम से न केवल लोगों की जांच कर उनको दवाएं दी जा रही है, अपितु सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं से अवगत भी कराया जा रहा है। सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया ने स्वास्थ्य मेले की जरूरत और उसके उद्देश्यों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोग स्वास्थ्य जांच कर इसका लाभ उठाएं। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. एके श्रीवास्तव, डा.राकेश कुमार, डीपीएम नीरज सिंह, प्रभारी चिकित्साधिकारी डा.अमित विक्रम सिंह, डा. आदित्य पांडेय, डा.अंकिता भाटिया, डा.राकेश मोहन शर्मा, डा.वाई एन मधुकर, डा.मनोज कुशवाहा, डा.आनंद यादव, डा.मीना सिंह, डा.फैयाज अहमद, डा.शिल्पी मिश्रा, खाद्य निरीक्षक अमित पांडेय, ब्लाक प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष, ओम प्रकाश जायसवाल, पूर्व चेयरमैन वीरेंद्र सिंह, महंत बालकदास, दिनेश जायसवाल, दिनेश गिरी उर्फ पेड़ बाबा आदि उपस्थित रहे। पनियरा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह ने कहा कि आमजन को बेहतर इलाज, राशन मिले इसके लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.आइए अंसारी ने बताया कि 57 रोगियों का डिजिटल आइडी कार्ड बनाया गया है। इस आइडी से अपने इलाज में किए गए जांच और दवाओं का विवरण मरीज देख सकेंगे। चिकित्सा अधीक्षक डा.राजेश द्विवेदी, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी वेद प्रकाश चौरसिया, डा.विपिन शुक्ला ने लोगों को निशुल्क स्वास्थ्य सुविधा की जानकारी दी।

शिक्षा अधिकारी राज किशोर सिंह के नेतृत्व में स्कूल चलो अभियान सहित शिक्षा की अन्य व्यवस्थाओं के बारे में बताया गया। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी देवेंद्र मणि त्रिपाठी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी राकेश कुमार, डा.शालिनी सिंह, डा.बिपिन शुक्ला, काशीनाथ सिंह, संजीव सिंह, रवि प्रकाश सिंह, अमित कुमार, प्रमोद पांडेय, शकुंतला कश्यप, उमेश गुप्ता समेत स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

जिले में मिला एक कोरोना संक्रमित

महराजगंज। जिले में . कोरोना का एक नया रोगी मिला है। इस प्रकार यहां सक्रिय रोगियों की संख्या दो गई है। उधर कोरोना से बचाव के लिए किशोर सहित 2027 लोगों को टीका लगाया गया और 943 लोगों की जांच की गई। नोडल अधिकारी डा. आइए अंसारी ने बताया कि जिले में कुल संक्रमितों की संख्या 14872 है। इसमें 14724 रोगी स्वस्थ हो चुके हैं। अब तक 146 की मृत्यु हो चुकी है। सक्रिय रोगी होम आइसोलेशन में हैं। उन्होंने बताया कि परतावल में 200, पनियरा 78, घुघली 14, सदर 40, सिसवा 40, मिठौरा 32, निचलौल 110, बृजमनगंज 93, फरेंदा 120, लक्ष्मीपुर 50, नौतनवा 16, महिला अस्पताल में 128 लोगों की जांच की गई है। एंटीजन से 506 लोगों की जांच की गई है। आरटीपीसीआर जांच के लिए 437 लोगों का नमूना भेजा गया है।

12 वर्ष से ऊपर के बच्चों को अवश्य लगवाएं टीकाः डीएम

महराजगंज। कोविड–19 के खिलाफ टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है। इस समय सिर्फ 12–14 वर्ष के बच्चों का टीकाकरण नहीं हुआ है, इसलिए हमें उन्हें सुरक्षित करने की आवश्यकता है। 21 अप्रैल से 12–14 वर्ष एवं 15–18 वर्ष के बच्चों का टीकाकरण अभियान चलाकर किया जाएगा। सभी विद्यालय अपने यहां अध्ययनरत छात्रों का टीकाकरण अवश्य करायें, ताकि उन्हें खतरे से बचाया जा सके। यह निर्देश जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने दिए। वह स्ववित्तपोषित विद्यालयों के प्रबंधकों, प्राचार्यों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि टीकाकरण कार्यक्रम में किसी प्रकार की सामग्री और टीके की कमी न होने पाए। शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी यह सुनिश्चित करेंगे कि विद्यालय में पंजीकृत सभी विद्यार्थियों की शत–प्रतिशत उपस्थित हो, ताकि बच्चों को कोविड से बचाव का टीका लगाया जा सके। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, डिप्टी सीएमओ डा. आइए अंसारी, यूनिसेफ से डा. अनिल तोमर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सर पर लगी चोट से युवक की हुई मौत, युवक शराब के नशे में था धुत

- मृतक के छोटे भाई ने दिया थाने में लिखित तहरीर, नामजद तीन लोगों को गोला पुलिस किया गिरफ्तार
- शव को कब्जे में लेकर भेजा पी एम

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के ग्राम केशवापार में बुधवार की देर रात समय लगभग दस बजे 25 बर्षीय श्याम नारायण शराब की नशे में धुत होकर अपने पिता लालजी से मार पीट करने लगा। मार पीट देख लालजी के

भाई लालधर लालचंद बीच बचाव के लिए आगे बढ़े। शराब की नशे में धुत्त युवक ने ईंट चलाकर लालचंद कोमार दिया जिससे उनका सर फट गया। सर फटने के बाद इन लोगो ने श्याम नारायण को पकड़ने के लिए दौड़ा।भागते समय श्यामनारायण जमीन पर गिर पड़ा और उसके सर पर भी चोट लग गया। दोनों घायलों को गांव के ही एक चिकित्सक के यहां दवा कराया गया। दोनों लोग दवा लेकर घर आये और रात में सो गए। सुबह पांच बजे श्यामनारायण की मृत्यु हो गई। मृतक के छोटे भाई दीपक ने पुलिस को घटना की सूचना दिया। सूचना पाते ही कोतवाल गोला दिलीप कुमार पांडेय दल बल के साथ घटना स्थलपर पहुचे। स्थल का निरीक्षण किया। शव को अपने कब्जे में लेकर पी एम के लिए भेज दिया साथ ही दीपक के लिखित तहरीर मुकदमा धारा 304 आई पी सी में दर्ज कर नामजद लालजी लालधर व लालचंद तीनो को गिरफ्तार कर लिया।

न फैलाएं दुष्प्रचार, मिल जुलकर मनाएं त्योहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज। जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार की अध्यक्षता में ईद व अक्षय तृतीया के शांतिपूर्ण आयोजन हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा जनपद एक परिवार की तरह है। पीस कमेटी की बैठक के बहाने ये परिवार एक साथ बैठता है और परिवार में शांति–व्यवस्था को बनाये रखने हेतु चर्चा करता है। उन्होंने कहा कि परिवार के सभी सदस्यों का दुःख–दर्द बाँटना हर सदस्य का कर्त्तव्य है। इसलिये मेरा यहाँ बैठे सभी लोगों से अनुरोध है कि जनपद में यदि कोई ऐसा मामला आपके संज्ञान में आता है, जिसमे कोई गरीब परिवार है, जिसका कोई सदस्य गंभीर रूप से बीमार है, तो उनके बारे में प्रशासन को सूचित करें। प्रशासन का पूरा प्रयास होगा कि शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उस परिवार की पूरी मदद की जाए। ईद व जुलूस के संदर्भ में जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि जिम्मेदार अधिकारी सुनिश्चित करें कि बिना पूर्व अनुमति के कोई भी जुलूस या झांकी आदि न निकाली जाये। ईदगाहों का निरीक्षण कर उनकी साफ–सफाई को सुनिश्चित कर लें। विद्युत विभाग विद्युत आपूर्ति को भी सुनिश्चित करे। जिलाधिकारी ने कहा कि त्यौहारों को खराब करने में सोशल मीडिया के माध्यम से फैलाये गये दुष्प्रचार की बड़ी भूमिका होती है। इसलिये पुलिस व सोशल मीडिया सेल सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रखे। उन्होंने सोशल मीडिया के खतरों के प्रति आगाह करते हुए कहा कि अभिभावक अपने बच्चों पर नजर रखें कि वे सोशल मीडिया पर क्या देख रहे हैं। जिलाधिकारी महोदय ने उपस्थित सभी लोगों को ईद व अक्षय तृतीया की अग्रिम बधाई दी। नवागत पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने पीस कमेटी को संबोधित करते हुए कहा कि पीस कमेटी की भावना को देखकर ये सहज विश्वास होता है कि जनपद में आगामी दोनों त्यौहार सकुशल संपन्न होंगे। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी सीओ व थानाध्यक्ष निरंतर क्षेत्र में लगातार नजर बनाए रखें। सोशल मीडिया की लगातार निगरानी करें और कोई गैरकानूनी गतिविधि होती मिलती है तो उसपर तुरंत कार्यवाही करें। साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करें। अगले कुछ दिनों में थाना स्तर पर पुनः मीटिंग कर लोगों को अमन व भाईचारे के साथ त्यौहार मनाने के लिए प्रेरित करें। अपर जिलाधिकारी डॉ. पंकज कुमार वर्मा व अपर पुलिस अधीक्षक निवेश कटियार ने भी सभा को संबोधित करते हुए, जरूरी निर्देश दिए। इससे पूर्व शांति समिति की बैठक का संचालन करते हुए शमशुल हुदा ने नवागत पुलिस अधीक्षक का सभी की ओर से स्वागत किया। इसके पश्चात विभिन्न संगठनों व धर्मों के लोगों ने प्रशासन के सामने अपनी बात रखी और आश्वस्त किया कि आगामी त्यौहारों को शांति व भाईचारे के साथ मनाया जाएगा। बैठक में जॉइंट मजिस्ट्रेट साई तेजा सीलम, सभी तहसीलों के उपजिलाधिकारी, सभी क्षेत्राधिकारी व थानाध्यक्ष, अन्य संबंधित अधिकारी व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अनपरा भाजपा मण्डल में एम एल सी बिनीत सिंह का हुआ भव्य स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बुधवार को भारतीय जनता पार्टी अनपरा मंडल द्वारा विधान परिषद सदस्य मिर्जापुर सोनभद्र विनीत सिंह उर्फ श्याम नारायण सिंह का जैन कांप्लेक्स बीना रोड पर निर्विरोध निर्वाचित होने के बाद उर्जाचल पहुँचने पर कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागतकिया। स्वागत समारोह में अनपरा के वरिष्ठ भाजपा नेता के.सी जैन के द्वारा माल्यार्पण कर प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया गया निर्विरोध चुने जाने पर भाजपा नेता के.सी जैन ने कहा अनपरा मंडल आपका हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करता है। के.सी जैन ने भरोसा दिलाया विनीत सिंह के जीतने से क्षेत्र की समस्या का कार्यकर्ताओं के सम्मान का पूरा ध्यान रखा जाएगा के.सी जैन ने विनीत सिंह को अवगत कराया जिले में जितने भी जनप्रतिनिधि भाजपा के हैं सब मिलकर विकास करें विनीत सिंह ने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं को विश्वास दिलाया कि अब हम भाजपा के हैं भाजपा के लिए कार्य करेंगे किसी भी कार्यकर्ता का उत्पीड़न नहीं होगा किसी भी कार्यकर्ता का काम नहीं रुकेगा चाहे शासन हो चाहे प्रशासन हो भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का सुना जाएगा। स्वागत समारोह में प्रमुख रूप से उपस्थित रहने वाले के.सी जैन जगदीश बैसवार, समाजसेवी आरडी सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता शेषनाथ सिंह, मंडल अध्यक्ष भाजपा अभिषेक विश्वकर्मा, दीपक सिंह पत्रकार, मंडल महामंत्री प्रमोद शुक्ला, मंडल उपाध्यक्ष मनोज शर्मा, युवा मोर्चा के पूर्व मंडल अध्यक्ष कृष्णा सिंह, मंडल कोषाध्यक्ष शैलेंद्र मोदी, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रभा शंकर मिश्रा, मंडल उपाध्यक्ष दिलीप गुप्ता युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह परमार,किसान मोर्चा के जिला मंत्री प्रथम श्रीवास्तव, किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष भगवती अग्रवाल, महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष मंडल मनोरमा दीक्षित जिले के जिला उपाध्यक्ष भाजपा अनिल सिंह गौतम, मंडल पदाधिकारी कृष्णा चौरसिया, मंडल अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा बबलू जायसवाल, बीएमएस के बृजेश्वर टोप्पो सहित कई लोग मौजूद रहे।

एनटीपीसी में अग्निशमन सेवा सप्ताह समापन समारोह का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। एनटीपीसी सिंगरौली शक्तिनगर में सीआईएसएफ फायर विंग द्वारा अग्निशमन सेवा सप्ताह–2022 का भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बसुराज गोस्वामी, मुख्य महाप्रबंधक, एनटीपीसी सिंगरौली उपस्थित रहे। बसुराज गोस्वामी ने अपने उद्बोधन में सीआईएसएफ फायर विंग द्वारा देश के सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों, विशेषकर उपक्रमों में प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ अमूल्य सेवाएं प्रदान करने हेतु सराहना की। उन्होंने 14 अप्रैल 1944 मुंबई डॉक यार्ड घटना में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों की याद में राष्ट्रीय अग्निशमन दिवस के उत्सव के महत्व का उल्लेख किया। एनटीपीसी सिंगरौली शक्तिनगर केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल सीआईएसएफ शक्तिनगर की

(केऔसुब) इकाई कमांडेंट, गोपाल दत्त ने स्वागत भाषण में सिंगरौली फायर विंग की उपलब्धियों के बारे सभी को अवगत कराया एवं कहा कि सीआईएसएफ इकाई भविष्य में भी इसी समर्पण के साथ देश की सेवा करती रहेगी। समापन समारोह के दौरान फायर विंग ने फायर स्टेशन पर अग्निशमन प्रदर्शन का आयोजन किया, जिसमे संयंत्र में आग पर काबू पाने के करतब आदि दिखाये गए। अग्निशमन सेवा सप्ताह के दौरान संयंत्र के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं कामगारों, विभिन्न स्कूलो के बच्चो, सीआईएसएफ सिक्यूरिटी विंग के बल सदस्यों एवं सीआईएसएफ के महिला गृहणियों के लिए फर्स्ट एड फायर फाईटिंग प्रशिक्षण के साथ साथ विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अग्निशमन सेवा सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओ के विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का समापन केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (केऔसुब) के डिप्टी कमांडेंट वी. विधुन ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया। समापन समारोह में बी एन झा, महाप्रबंधक (मैंटेनेंस) ए के सिंह, महाप्रबंधक (ऑपरेशन) अमरीक सिंह भोगल, महाप्रबंधक (ईएमडी एवं सी एंड आई) अन्य एनटीपीसी वरिष्ठ अधिकारीगण एवं सीआईएसएफ के बलकर्मी आदि उपस्थित हुए।

संस्था ने ग्रीष्म कालीन होने वाली पेयजल की समस्या को लेकर की विशेष बैठक व चर्चा

दैनिक बुद्ध का संदेश

आलापुर/अम्बेडकरनगर।

अम्बेडकरनगर आदर्श मानव समाज सेवा संस्थान परसौली माडरमऊ आलापुर अंबेडकरनगर के मुख्य कार्यालय पर संस्था द्वारा संचालित सामाजिक कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक संस्था के प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार मौर्य की अध्यक्षता में शुरू हुई इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में संस्था के अध्यक्ष घनश्याम रहे। बैठक का संचालन संस्था के प्रबंधक रमेश मौर्य ने किया। सामाजिक कार्यों की समीक्षा के उपरांत वर्तमान समय में गर्मी में पेयजल की समस्या को लेकर विशेष चर्चा हुई। संस्था के अध्यक्ष ने अपने वक्तव्य में कहा कि इस समय हम लोगों को पर्यावरण को बचाने, जल को संरक्षित करने पर अत्यधिक कार्य करना होगा। इसके लिए संस्था के सभी जिम्मेदार प्रदेश पदाधिकारी, जिला, ब्लाक कार्यकारिणी के साथ–साथ सेक्टर अध्यक्ष, ग्राम सचिव व ग्राम उप सचिव को मिलकर गांवों में जाकर पेड़ों का थाला बनाकर सिंचाई करना और जल संरक्षण के लिए गांव गांव जाकर लोगो को जल संरक्षण (बचाव) के लिए जागरूक करना होगा। मौके पर संस्था के अध्यक्ष घनश्याम, उपाध्यक्ष चंद्रबली मौर्य, प्रबंधक रमेश मौर्य, कोषाध्यक्ष रविंद्र कुमार, सचिव पूनम, व्यवस्थापक सुनील कुमार, प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार मौर्य, प्रदेश सलाहकार गौरीश कुमार, जिला अध्यक्ष कन्हैयालाल, मुख्य कार्यकारिणी सदस्य प्रवेश मौर्य, राजू,संतोष कुमार, नीतू, रीमा, संगीता, जिला सचिव निशा यादव, रेखा, महिला सशक्तिकरण अध्यक्ष चमेली भारती, रुकमा देवी, प्रमोद कुमार, नरसिंह चौहान, ब्लॉक अध्यक्ष रामनगर अमृत कुमार, ब्लॉक सचिव जहांगीरगंज मुकेश कुमार, ब्लॉक अध्यक्ष जलालपुर गौरव, ब्लॉक सचिव बसखारी आशा देवी, ब्लॉक व्यवस्थापक रामनगर राहुल कनौजिया, जिला अध्यक्ष संत कबीरनगर यदुवंश यादव, जिला कोषाध्यक्ष संतकबीरनगर मो.लईक खान, गिलवर्ड अम्बानी, सचिन, अनुराग गौड़, सुधीर सागर, गीता देवी, बृजेश यादव, प्रियंका यादव, साधना यादव, सोनिया गौड़, राजकुमारी चौहान, अंतिमा यादव, प्रतिभा, शालू, शालिनी, के साथ कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिलाधिकारी से समाजसेवियों ने मिलकर फायर ब्रिगेड की उपलब्धता के बाबत दिया पत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में आये दिन आगजनी की घटनाओं के कारण हजारों हेक्टेयर बेशकीमती जंगल के साथ हजारों हेक्टेयर में कृषिक फसलें नष्ट हो रही है। जबकि इसके नियंत्रणार्थ सोनभद्र जिला मुख्यालय पर,चार ब्लॉक एंव दर्जन भर थाना चौकी क्षेत्र में निवासरत 12 लाख की आबादी में मात्र दो दमकल गाड़िया हैं जिसको चलाने के लिए मात्र एक ड्राइवर है, अभी हाल के ही दिनों में सैकड़ो गांवो में आग लग चुकी है। फायर बिग्रेड न होने एंव समय से न पहुंचने के कारण आगजनी से भारी नुकसान हो रहा है जिससे फसल, पर्यावरण एंव दुर्लभ वन्यजीव जंतु काफी संख्या में नष्ट हो रहे हैं। फायर स्टेश पर पानी भरने की व्यवस्था नही है जिसके वजह से दमकल कर्मियों को अन्यत्र दूर जाकर पानी भरना पड़ता है जिससे दमकल कर्मियों का समय नष्ट होता है। एवं काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जिससे वे आगजनी की जगहों पर समय से नही पहुंच पाते। साथ ही पूरे क्षेत्र के बिजली के तार ढीले एंव जर्जर होने के कारण शार्ट सर्किट से आगजनी की घटनाएं लगातार हो रही है। जिसको लेकर वृहस्पतिवार को रवि प्रकाश चौबे के नेतृत्व में जिलाधिकारी को पत्रक सौप वार्ता किया, तत्काल जिलाधिकारी महोदय ने संज्ञान लेते हुए अग्निशमन केंद्र पर बोर कराने व अग्निशमन के लिए स्वीकृत भूमि पर स्थाई निर्माण कराते हुए सभी ब्लॉक मुख्यालय पर एक दमकल दस्ता तैनात कराने की बात सम्बन्धितो से किया जिससे अगलगी के दंश से जन–धन हानि पर नियंत्रण सुलभ हो सके। इस मौके पर गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट के सम्पादकीय प्रमुख धर्मेंद्र कुमार राजू यूथ आई कान युवक मंगल दल के जिलाध्यक्ष सौरभकान्त पति तिवारी विवेक तिवारी प्रभाशंकर चतुर्वेदी आदि लोग रहे।

04 किग्रा 100 ग्राम गांजा के साथ 03 नफर अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस उप महानिरीक्षकध्पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अमरेन्द्र प्रसाद सिंह के कुशल निर्देशन में जनपद में अवैध मादक पदार्थों की बरामदगी व इसमें संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में दिनांक 21.04.2022 को चौकी डाला ,थाना चोपन पुलिस द्वारा प्रातः करीब 8.30 बजे चूड़ी गली कोटा चौराहे के पास से 03 नफर अभियुक्तों क्रमशः 1–अमित उर्फ रवि पूरी पुत्र प्रदीप पूरी निवासी मलीन बस्ती डाला थाना चोपन जनपद सोनभद्र 2– छोटे लाल उर्फ छोटू राजभर पुत्र शंकर राजभर निवासी चुड़ी गली डाला थाना चोपन सोनभद्र, 3– प्रदीप कुशवाहा पुत्र राम अशीष कुशवाहा निवासी नई बस्ती डाला थाना चोपन को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कुल 04 किग्रा 100 ग्राम गांजा बरामद करते हुए उपरोक्त गिरफ्तरी व बरामदगी के आधार पर थाना चोपन पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत करते हुए अभियुक्तगण उपरोक्त को न्यायालय भेजा गया।

केवल निर्माण कार्य से ही गांव का विकास नहीं होता

- किशोरो का पालयन रोकेगी शिक्षा समिति
- सदस्यनामा पुस्तिका का करम डाड में किया गया विमोचन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। दुद्धी ब्लॉक के ग्राम पंचायत करम डाड पंचायत भवन परिसर में गुरुवार को तीसरी सरकार के राष्ट्रीय संयोजक डॉ चन्द्रशेखर प्राण द्वारा लिखी गयी सदस्य नामा पुस्तिका का ग्राम प्रधान मंजू

देवी, आश्रम की मंत्री शुभा प्रेम, मिशन समृद्धि के स्टेट संयोजक सच्ची सिंह ने विमोचन किया। मौके पर प्राण ने कहा कि विकास का मतलब केवल निर्माण कार्य ही नही होता। गाँव मे शिक्षा, स्वास्थ्य पेयजल स्वरोगार, सहित स्थानीय संसाधनों के आधार पर रोजगार सृजन, और वार्ड की भागीदारी से विकास को गति मिल सकती है। प्राण ने कहा कि पंचायती राज का मतलब गाँव का सर्वांगीण विकास गांव के लोग ही करे इसके लिए जरूरी है कि वार्ड स्तर पर बैठके हो और बुनियादी समस्याओ को लेकर पहल हो।मंजू देवी ने कहा कि गांव में लचर शिक्षा व्यवस्था के कारण 8 वी के बाद किशोर पलायन कर रहे है शिक्षा समिति इस पर काम कर रही है। सदस्यों ने बताया कि वार्ड स्तर पर हर महीने बैठके होने लगी है। इस दौरान उपस्थित चार गांव के सदस्य और तीन गांव के प्रधानों ने प्रतिभाग किया। मौके पर रामचन्द्र, विमल भाई, विभूति सिंह, नीता अंजुम, शिवनारायण अशोक सिंह कृष्णा कुमार, सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

ज्वाइंट पेट्रोलिंग करके लोगों को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

नौतनवां। मानव तस्करी रोकने हेतु एस एस बी 66 वीं कंपनी, पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति एवं चाइल्डलाइन ने संयुक्त रुप से ज्वाइंट पेट्रोलिंग नौतनवा रेलवे स्टेशन में किया। इस दौरान पी जी एस एस के श्रवण कुमार एवं कृष्णा कुमार ने बताया कि यदि कोई ब्यक्ति किसी बच्चे, महिला को बहला–फुसलाकर, लालच, प्रलोभन या किसी प्रकार की नौकरी का झांसा देकर ले जाता है, तो तुरंत हेल्पलाइन नंबर 112, 182, 1098, 1090 पर सूचना देवें। इस दौरान एस एस बी की ए एच टी यू टीम के टीम सदस्य सुल्तान सिंह, सुरयमनि, मौसम, सुजाता ने यात्रियों को मानव तस्करी से सम्बंधित विषयो पर जागरूक किया। एवं महिला सूरक्षा पर सवेदित किया। साथ ही साथ उन लोगों ने यह भी बताया कि कहीं भी बार्डर क्षेत्र में एस एस बी की जरूरत हो तो बेहिचक 1903 नम्बर पर मदद के लिए काल कर सकते हैं। चाइल्ड लाइन उपकेंद्र नौतनवां के टीम सदस्य भाषकर,सजना,रीना ने बच्चों से सम्बंधित किसी भी मदद के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर जानकारी देने के लिए अवगत कराया। इस दौरान पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति गोरखपुर के केन्द्रीय टीम के सदस्य अब्दुल हमीद एवं जी आर पी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।इस अवसर पर मानव तस्करी रोध के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओ के उपरोक्त अधिकारी एवं कर्मचारियों ने इंटरसिटी ट्रेन जो नौतनवां से गोरखपुर की ओर जाती है, उसमें बैठें यात्रियों विशेषकर बच्चों एवं महिलाओं को हैण्ड विल देकर जागरूक किया। सभी ने इस कार्य के लिए एस एस बी, पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति शाखा नौतनवां, चाइल्ड लाइन उपकेंद्र नौतनवां की सराहना किया।

छात्राओं को पढ़ाया गया आत्मसुरक्षा का गुण

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। शासन के निर्देश पर एन्टी रोमियो टीम द्वारा बालिका सुरक्षा के अन्तर्गत गोला थाना क्षेत्र के केआर मेमोरियल एकेडमी भड़सड़ा मेंआयोजित पुलिस की पाठशाला में छात्राओ को आत्म सुरक्षा का गुण बताया गया। गोला थाना एंटी रोमियो टीम के प्रभारी एसआई अनीश कुमार सिंह ने छात्राओं को कानून की जानकारी देते हुए महिलाओं व युवतियों की सुरक्षा के लिए संचालित योजनाओं के साथ ही उनके अधिकारों के बारे में भी बताया। महिला कांस्टेबल सुन्दरी व आकांक्षा वर्मा ने छात्राओं को 1090 व 1091 वूमेन हेल्पलाइन 181 और डायल 112 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी भी युवक द्वारा छेड़खानी किए जाने या अन्य किसी प्रकार से परेशान करने पर कोई भी महिला युवती या किशोरी 1090 या डायल 112 या थाने का सीयूजी नम्बर 9454403510 पर तुरन्त बात कर सकती है। शिकायत के बाद उसकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी और मनबढ़ो पर कार्रवाई की जाएगी।उक्त जानकारी सभी छात्रा या महिला को देते हुए जागरूक करे। क्योंकि जागरूकता ही बचाव है। जागरूक होने पर बलात्कार छेड़छाड़ आदि घटनाओं पर अंकुश लगेगा साथ ही महिलाओ को एक आत्मबल भी मिलेगा। एंटी रोमियो टीम के कांस्टेबल संदीप यादव ने भी जानकारी दी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से एकेडमी के प्रबन्धक वागेश्वरी राय प्रिंसिपल सुनीता सिंह विपिन पाठक याशी दुबे अनूप राय अभिषेक राय रजत राय आलोक पाठक गुड़िया पाठक सहित तमाम शिक्षक व शिक्षिकाएं मौजूद रही।

राज्यपाल से मिले अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेटर लव वर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग

क्रिकेटर लव वर्मा ने गुरुवार को राजभवन लखनऊ में जाकर मुलाकात की, राज्यपाल को स्मृति चिह्न भेंट करने के पश्चात अपनी क्रिकेट संबंधित रोजगार के लिए फाइल राज्यपाल के समक्ष रखा 2015 एशिया कप विजेता के लिए एवं क्रिकेट में उपलब्धियों को देख कर राज्यपाल बहुत प्रसन्न हुईं एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने फाइल को रखते हुए सहयोग का पूरा भरोसा दिलाया। बता दें कि अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ी लव वर्मा रोजगार के लिए लगभग 8 वर्षों से भटक रहे हैं किन्तु कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्रियों को फाइल देने के बाद आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मिलने का बहुत प्रयास किया किंतु निराशा ही हाथ लगी। इसके बाद लव वर्मा राज्यपाल से मिलने के लिए 3 माह पूर्व आवेदन किया था किंतु कोविड के कारण समय नहीं मिल पा रहा रहा था लेकिन जैसे ही स्थिति सामान्य हुई 17 अप्रैल को राजभवन से फोन पर उन्हें राज्यपाल से मिलने के लिए समय दिया गया। राज्यपाल को फाइल देने के बाद अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेटर लव वर्मा की उम्मीदें एक बार फिर जग उठीं हैं।

श्रीराम की भव्य शोभायात्रा के साथ अखण्ड श्री हनुमान चालीसा व भंडारे का हुआ आयोजन

बिसवां (सीतापुर)। भाजपा महिला मोर्चा जिला कोषाध्यक्ष डा. कनिका विश्वास के कुशल नेतृत्व में भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी एवं निवास पर अखण्ड श्री हनुमान चालीसा पाठ, पूजा अर्चना व विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। भगवान की शोभायात्रा भक्तमयी भजनों के साथ शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुई। भगवान के विभिन्न रूपों की शोभायात्रा भाजपा नेत्री डॉ कनिका विश्वास के निवास से निकाली गईए जो मुख्य चौराहा होते हुए किवानी नदी के तट पर स्थित श्रीराधा कृष्ण मन्दिर तक गयी। इस शोभा यात्रा में भक्तगण सम्मिलित रहे। भाजपा नेत्री डॉ कनिका विश्वास ने तिलक पूजन और आरती उतारकर शोभायात्रा को रवाना किया। शोभा यात्रा में विधायक विधानसभा सेउता ज्ञान तिवारी की धर्मपत्नी अंजू तिवारी, विधानसभा बिसवां विधायक निर्मल वर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता चन्द्र प्रकाश सिंह चौहान, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष कंचन प्रभा पाण्डेय, महिला मोर्चा जिला महामंत्री शालिनी गुप्ता, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुधाकर शुक्ला, भाजपा नगर अध्यक्ष बिसवां पंकज गुप्ता, भाजयुमों नगर अध्यक्ष शिवांशु रोहित पाण्डेय, पूर्व ब्लॉक प्रमुख बिसवां राकेश कुमार वर्मा, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कृष्ण कुमार वर्मा, भाजयुमों जिला सह प्रभारी पीयूष मौर्या, भाजपा नेत्री उषा गुप्ता सहित भाजपा, भाजयुमो व महिला मोर्चा के जिला व तहसील स्तर के पदाधिकारीगण एवं अधिवक्ता व नीरज श्रीवास्तव, वरिष्ठ अशोक श्रीवास्तव, अमन श्रीवास्तव, मैथू विश्वास, शिवम गुप्ता पोला, लवी श्रीवास्तव, विजय सोनी, राकेश कुमार नन्द, सन्तोष कुमार वर्मा, सुधाकर मिश्र, अनूप गुप्ता सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। विशाल भण्डारे में काफी संख्या में भक्तगणों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ कनिका विश्वास ने अखण्ड श्री हनुमान चालीसा पाठएभगवान की शोभायात्रा व विशाल भण्डारे को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन व क्षेत्रीय जनता के प्रति हृदय से आभार प्रकट किया।

गेंहू क्रय केन्द्र पर मानक बांट न होने पर जिलाधिकारी ने जताई नाराजगी

नवागत जिलाधिकारी ने तीसरे दिन किया नवीन गल्ला मंडी का किया निरीक्षण

सीतापुर। नवागत जिलाधिकारी अनुज सिंह के ताबड़तोड़ निरीक्षण से प्रशासनिक महकमे में हलचल मच गई है। जिला अस्पताल के निरीक्षण के बाद नवीन गल्ला मण्डी का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने गल्ला मण्डी में विभिन्न एजेन्सियों द्वारा संचालित गेहूं क्रय केन्द्रों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गेहूं की आवक एवं खरीद की जानकारी लेते हुये रजिस्टर में अंकित विवरण से मिलान किया एवं गेहूं खरीद के भुगतान का विवरण भी देखा। बोरों के स्टाक एवं वितरण की समीक्षा जिलाधिकारी ने की। बोरों के प्राप्ति, वितरण एवं स्टाक का विवरण स्पष्ट न होने पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि स्टाक रजिस्टर पर स्पष्ट विवरण अंकित किया जाये एवं उसे नियमित रूप से अद्यतन किया जाये। जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी को कड़े निर्देश दिये कि स्टाक एवं वितरण रजिस्टर की नियमित रूप से जांच करायें, जिससे कोई अनियमितता न होने पाये। तौल में प्रयोग होने वाले तौल मशीन कांटों के निरीक्षण के दौरान उनमें टैग न मिलने एवं मानक बांट उपलब्ध न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुये निर्देश दिये कि तौल मशीनोंध कांटों का संबंधित एजेन्सी से प्रमाणीकरण कराते हुये टैगिंग करायी जाये एवं मानक बांट की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। क्रय एजेन्सियों के प्रतिनिधियों को निर्देश दिये कि गत वर्ष के विवरण के आधार पर संबंधित कृषकों से फोन द्वारा सम्पर्क स्थापित करते हुये उन्हें अधिक से अधिक गेहूं का विक्रय क्रय केन्द्रों के माध्यम से करने हेतु प्रोत्साहित साफ. सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी जिलाधिकारी ने दिये। क्रय केन्द्रों पर किसानों के लिये शीतल पेयजल की अनिवार्य उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी जिलाधिकारी ने दिये। किसानों को क्रय केन्द्रों पर गेहूं विक्रय करने में कोई असुविधा न हो यह सुनिश्चित किया जाये। आवश्यकतानुसार पर्ची की व्यवस्था का भी उपयोग सरलता के साथ किया जाये। निरीक्षण के दौरान जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी अरविन्द कुमार दुबे सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। औचक निरीक्षण से विभागों में मचा हडकंपः नवागत जिलाधिकारी के ताबड़तोड़ निरीक्षण से प्रशासनिक महकमें में हड़कंप मच गया है। औचक निरीक्षण के भय से सभी कार्यालयों को कार्यालयाध्यक्ष सुव्यस्थित करने में जुट गए है। कई विभागों में अधिकारी खुद मुआयना कर कमियों को दूर करने में जुटे रहे। बता दें कि अनुज सिंह ने सोमवार को देर शाम अपना कार्यभार ग्रहण किया था। जिसके बाद वह जिला अस्पताल का निरीक्षण कर लापरवाहों को जमकर फटकार लगाई थी। जिसके बाद बैठक में नवागत डीएम ने सभी अधिकारियों को शासन के मंशानुरुप कार्य करने तथा जनमिलन कर आम जनमानस को न्याय दिलाने का निर्देश दिया था। जिलाधिकारी के सख्त तेवर देख सभी विभागों में हड़कंप मचा है।

जनता की शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये :अनुज सिंह

सीतापुर। जनता की शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। सभी संबंधित अधिकारी निर्धारित समय पर कार्यालय में उपस्थित होकर जनसुनवाई करे। अवैध कब्जे तत्काल हटवाये जाये एवं लाभार्थीपरक योजनाओं से सभी पात्रों को लाभान्वित किया जाये। अधिकारी जनता के सीधे सम्पर्क में रहे। उक्त निर्देश जिलाधिकारी अनुज सिंह ने .....कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ सम्पन्न समीक्षा बैठक के दौरान दिये। उन्होंनें विभागीय अधिकारियों का परिचय प्राप्त कर विभागों में संचालित योजनाओं की प्रगति समीक्षा भी की। उन्होंनें कहा कि शासन के निर्देशानुसार सभी उपजिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी अनिवार्य रूप से सभी कार्य दिवसों में प्रातरू 10 बजे से मध्याह्न 12 बजे तक कार्यालय में उपस्थित होकर जनता की शिकायतों को सुनकर उनका प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित कराये। सभी अधिकारी जनता से मधुर व्यवहार रखें एवं उनकी शिकायतों तथा समस्याओं को पूरी गम्भीरता के साथ सुनकर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाये। किसी भी शिकायतकर्ता, लाभार्थी को पूरी जानकारी दी जाये एवं उसके साथ कोई दुर्व्यवहार न किया जाये। अवैध कब्जों को तत्काल नोटिस देते हुये हटवाया जाये तथा सरकारी परियोजनाओं के लिये वांछित उपयुक्त भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित की जायें। भूमि विवाद संबंधी समस्त प्रकरणों में तत्परतापूर्वक कार्यवाही करते हुये निस्तारण सुनिश्चित कराया जाये। पैमाइस संबंधी प्रकरणों में निर्धारित कोर्ट फीस जमा कराते हुये तत्काल पैमाइस कराये जाने के निर्देश देतें हुये जिलाधिकारी ने कहा कि लेखपालों द्वारा गाटे की पैमाइस की जायेगी इसके अलावा किसी भी प्लाट की पैमाइस लेखपाल द्वारा नही की जायेगी। उन्होंने कड़े निर्देश देते हुये कहा कि जिन तहसीलों, ब्लाकों अथवा कार्यालयों में अधिक शिकायतें प्राप्त होगी। परन्तु निस्तारण लम्बित होने की स्थिति में जिम्मेदार अधिकारियों को प्रतिकूल प्रविष्टि दी जायेगी। उन्होंने यह निर्देश भी दिये की समान्य शिकायतों को जटिल न बनाया जाये। शिकायतों का निस्तारण कागजी पेचों में न फं साया जाये। समस्त कार्यालयों में दलालों का प्रवेश प्रतिबंधित करते हुये कहीं नजर रखी जाये। लाभार्थीपरक पेंशन योजनाओं से सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि विशेष शिविर आयोजित कराते हुए सभी पात्रों को लाभान्वित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि आधार सीडिंग के कार्य को तत्परता के साथ पूर्ण कराया जाये। छात्रवृत्ति का सत्यापन समय से सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने अभ्युदय योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, आंगनबाड़ी केंद्रों का कायाकल्प आदि की समीक्षा भी की। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर एक लाइब्रेरी स्थापित की जाये।

जिसमें विद्युत, पंखे एवं पर्याप्त पुस्तकों सहित आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। प्रत्येक न्याय पंचायत स्तर पर स्टेडियम स्थापित किये जाने हेतु भी निर्देश दिये। सभी परिषदीय विद्यालयों में शौचालय की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये। निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केन्द्रों के कार्यो को तत्काल पूर्ण कराये जाने के भी निर्देश दिये। फसल बीमा में पात्रों को देय मुआवजों की राशि का पूर्ण पारदर्शिता के साथ वितरण पूर्ण कराये जाने के भी निर्देश दिये। बाढ़ से संबंधित तैयारियों की समीक्षा करते हुये निर्देश दिये कि क्षतिग्रस्त तटबन्धों की मरम्मत समय से पूर्ण करायी जाये एवं राहत कार्यों के हेतु गत वर्षों के विवरण को संकलित कराते हुये आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली जाये। आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत बनाये जाने वाले गोल्डन कार्ड हेतु विशेष कैम्प आयोजित कराते हुये लक्ष्य पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अक्षत वर्मा, अपर जिलाधिकारी राम भरत तिवारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूल चलो अभियान के तहत निकाली गई रैली

सीतापुर। विकास क्षेत्र ऐलिया के प्राथमिक विद्यालय देवई में स्कूल चलो अभियान के तहत विद्यालय के प्रधानाध्यापक हरी शंकर की अगुवाकारी में छात्रों एवं छात्राओं को लेकर रैली निकाली गयी। रैली में ग्राम प्रधाना गुड्डढडू अंसारी को साथ लेकर प्रधानाध्यापक के पूरे गांव में पूरे स्टाफ के साथ सकूल चलो अभियान के तहत नामांकन के सम्बन्ध में छात्रों द्वारा नारे लगाते हुए गलियां गलियों का भ्रमण कर रैली का समापन किया।

उपजिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर सील किया गया खाता

सीतापुर। मेसर्स रामराज कंस्ट्रक्शन 185 रानी कोठी बट्सगंज सीतापुर फर्म स्वामी गीता शुक्ला पत्नी विमलेश शुक्ला निवासी बट्सगंज सीतापुर पर व्यापारकर बकाया मु0 1705000 बकाया होने के कारण उक्त का इंडियन बैंक शाखा सिविल लाइन सीतापुर में संचालित बैंक खाते को उपजिला मजिस्ट्रेट के आदेश से तहसीलदार ज्ञानेन्द्र द्विवेदी के नेतृत्व में नायब तहसीलदार सुखवीर सिंह व संग्रह अमीन अजय कुमार राठौर द्वारा सीज किया गया। निरन्तर वसूली की कार्यवाही की जा रही है।

पेरई सत्र का हुआ समापन

बिसवां (सीतापुर)। सेक्सरिया शुगर मिल ने अपने क्षेत्र का समस्त किसानों का गन्ना समाप्त करके पेराई सत्र का बीती रात समापन कर दिया। इस सत्र में चीनी मिल ने 150 दिन चल कर कुल 1 करोड 14 लाख कुंतल गन्ना की पेराई करके 10 लाख87 हजार बोरी शक्कर का उत्पादन किया वर्ष 2021 22 के पेराई सत्र में चीनी का पता 9ण्76 रहा। मिल के मुख्य अधिशासी आरसी सिंघल व गन्ना महाप्रबंधक डॉ अनूप कुमार ने पिराई सत्र सफलतापूर्वक संपन्न होने पर मिल के कर्मचारियों क्षेत्र के गन्ना कृषको व नागरिकों को बधाई दी है। जिन के सहयोग से मिल सफलतापूर्वक चलकर पेराई सत्र का समापन किया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

बिसवां (सीतापुर)। थाना सदरपुर के अंतर्गत बीती रात एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना सदरपुर क्षेत्र के ग्राम पिपरा कला निवासी संदीप पुत्र मलेश अपनी बाइक से जा रहे थे कि इसी बीच बिसवां.महमूदाबाद मार्ग पर होशियानपुर के पास ग्राम अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दीए इससे संदीप गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे को अंजाम देकर अज्ञात वाहन मौके से फरार हो गया। घायल बाइक सवार को राहगीरों एवं ग्रामीणों ने आनन.फानन में 108 एंबुलेंस से बिसवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों की ओर से घायल संदीप का इलाज शुरू किया । हालत गम्भीर होने के कारण चिकित्सा को ने उसे सीतापुर रिफर कर दिया। बता दें कि बिसवां महमूदाबाद मार्ग पर स्पीड ब्रेकर नहीं होने से आए दिन हादसे होते हैं बावजूद इसके जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे।

समाजसेवी की मदद से युवक के लावारिश शव की हुई अंत्येष्टि

हरदोई। बिहार से मजदूरी करने जा रहे लल्लन रैदास का बेटा जितेन्द्र कुमार जयपुर जा रहा था, जितेंद्र कुमार गोकुल बेहटा के पास अचानक ट्रेन से नीचे गिर गया। हादसे में जितेंद्र का निधन हो गया। जानकारी पाकर गरीब असहाय लल्लन रैदास जी हरदोई पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। बेटे के शव की अंत्येष्टि करने तक के पैसे नहीं थे। उनकी पेशानी पर चिंता की लकीरें देख किसी ने उनको मिशन आत्मसंतुष्टि संस्था के बारे में बताया। उन्होंने संस्था के संरक्षक को सूचित किया। इसके बाद संस्था के संरक्षक राजवर्धन सिंह राजू तुरंत पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। उन्होंने तत्काल आर्थिक मदद के साथ शव वाहन बुलवाकर लल्लन शर्मा के बेटे का शव मुक्तिधाम पहुंचाया और स्वयं क्रियाकर्म की व्यवस्था की। जब बिहार के समोथा गांव निवासी लल्लन शर्मा का विकलांग बेटा बिहार से जयपुर जा रहा था। बेहटा गोकुल थाने के अंतर्गत ट्रेन से आकस्मिक निधन हो गया था। अब उनके सामने जवान बेटे के गुजरने के दुख के अलावा शव के अंतिम संस्कार की भी चिंता खाए जा रही थी। आर्थिक तंगी के कारण वह अपने बेटे की लाश तक पैतृक गांव नहीं ले जा पा रहे थे। तभी वहां मौजूद लोगों ने उनको मिशन आत्मसंतुष्टि संस्था के बारे में बताया। इसके बाद उन्होंने संस्था के हेल्पलाइन नंबर पर फोन किया। लल्लन रैदास की सूचना पर मिशन आत्मसंतुष्टि के संरक्षक एवं जनपद के प्रख्यात समाजसेवी राजवर्धन सिंह राजू खुद पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। उन्होंने तत्काल शव वाहन मंगवाकर मुक्तिधाम के लिए रवाना किया। इसके साथ ही राजवर्धन सिंह राजू ने नकद धनराशि देकर आर्थिक मदद भी की, जिससे अंत्येष्टि के बाद आने वाला खर्च भी हो सके। जनपद हरदोई में लावारिश शव की अंत्येष्टि करने के लिए मिशन आत्मसंतुष्टि संस्था ने खुद को समर्पित किया है। संस्था की ओर से अब तक 10000 हजार से अधिक जरूरतमंदों की मदद हो चुकी है।

संत ने आग की लपटों से मासूम बच्चों की जान बचाई और खुद झुलस गए

हरदोई। अरवल थाना क्षेत्र के आदनिया गांव में अज्ञात कारणों के चलते गांव में भयानक आग लग गई, जिससे 13 घरों की गृहस्थी समेत एक वृद्ध महिला की जलकर मौत हो गई थी ,वही क्षेत्रीय भाजपा विधायक ने पहुंचकर अग्नि पीड़ितों को हर संभव मदद दिलाने का भरोसा दिया है। अरवल थाना क्षेत्र के आदनिया गांव में अज्ञात कारणों के चलते गांव में आग के कहर से 13 घरों की गृहस्थी जलकर राख हो गई, वही एक वृद्ध महिला की मौत भी हो गई। क्षेत्रीय भाजपा विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू ने गांव पहुंचकर अग्नि पीड़ितों को राशन सामग्री आर्थिक सहायता उपलब्धा कराई, वहीं उन्होंने शासन से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है। रमेश पाल की चाची मायावती 60 वर्ष पत्नी रामाधीन जो कि दवा लेने के लिए बैंक से सोमवार को पैसा निकाल कर लाई थी। जब उनके घर में आग की लपटे पहुंच गई तो वह दवा के लिए जो पैसा निकाल कर लाई थी उन्हें बचाने के प्रयास में झुलस गई, जिससे सीएचसी ले जाया गया ,जहां से जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक मायावती के परिवार में पुत्री कमला शादी हो चुकी है। अगर समय एंबुलेंस आ जाती तो वृद्ध महिला की जान बच सकती थी। वहीं दूसरी तरफ राधेश्याम अपनी पुत्री सोनम की शादी की तैयारी कर रहे थे जिसको लेकर उन्होंने घर में सामग्री खरीद कर रख ली थी सोने चांदी के आभूषण 10 हजार की नगदी आग की लपटों से जलकर राख हो गई। घरों से निकली चिंगारी ने सोनेलाल के खेत में 5 बीघा की कटी पड़ी फसल भी जलकर राख हो गई है वही आगजनी की घटना से अग्नि पीड़ित परिवार अब चिलचिलाती गर्मी में खुले में रहने के लिए मजबूर दिखाई दे रहे हैं। गुड्डू का 7 वर्षीय पुत्र अंशू जो कि खेलते खेलते आग की लपटों के पास पहुंच गया था ।राजेश गिरी संत ने खुद की जान परवाना करते हुए बच्चों को आग की लपटों से बचा लिया और खुद जलकर झुलस गए।

चुनाव में निष्क्रिय पदाधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

सीतापुर। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा की जिला कार्यसमिति की एक बैठक का आयोजन जिला पंचायत के नेहरू हॉल में जिलाध्यक्ष रामजीवन जायसवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें माइक्रो डोनेट, विधानसभा सभावार विधायक एवं विधान परिषद सदस्य सम्मान समारोह एवं चुनाव के दौरान संगठन के निष्क्रिय पदाधिकारियों की कार्यशैली पर चर्चा की गई। इस मौके पर संगठन के जिलाध्यक्ष रामजीवन जायसवाल ने पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पदाधिकारी हीन भावना त्याग कर अपने अंदर नेतृत्व क्षमता विकसित करे और आगे बढकर लोगो की समस्याओं को निदान कराए। उन्होंने कहा कि हमारी ओबीसी वर्ग की सहभागिता अधिक है। इसलिए सरकार में हमारी ओबीसी मोर्चा की सहभागिता भी अधिक रखी गयी है। उन्होंने कहा कि जबसे ओबीसी वर्ग भाजपा से जुड़ा है। तबसे भाजपा को मजबूती मिली और प्रदेश और केंद्र में भाजपा सरकार बनी है और बनती रहेगी। बैठक का संचालन मोर्चे के जिला महासचिव अशोक राठौर ने किया। इस मौके पर जिला महासचिव जगदीश लोधी, डॉ महेंद्र बंगाली जिला उपाध्यक्ष अयोध्या प्रसाद प्रजापति, रामनिवास विश्वकर्मा, राकेश वर्मा, जिला मीडिया प्रभारी अमित जायसवाल, जिला मंत्री प्रेमदीप जायसवाल, रामलखन, रामकुमार, ओमप्रकाश शर्मा, कमलेश जायसवाल, अमरीश सोनी, शानू, बृजेंद्र कश्यप, बृजेश रस्तोगी, निष्ठा जायसवाल के अलावा तमाम पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

अघोषित बिजली कटौती व लो वोल्टेज की समस्या से परेशान होकर उपभोक्ताओं ने जेई को दिया ज्ञापन

बम्भनवा पॉवर हाउस जेई ने उच्चाधिकारियों को जिम्मेदार बताते हुए अपना दामन बचाया

रेउसा (सीतापुर)। सरकार के दावों की पोल खोल रहा बम्भनवा पावर हाउस इस बारे में जब रेउसा जेई धर्मेंद कुमार से बात की गई तो बताया कि फीडर बड़ा होने का कारण लो वोल्टेज की समस्या बनी हुई है। जिससे आए दिन फाल्ट बनी रहती है। फीडर अलग करने के लिए मैंने शासन को पत्र लिखा गया है और अपने उच्च अधिकारियों जिम्मेदार बताते हुए अपना दामन बचा लिया हैं। रेउसा सीतापुर एक तरफ सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ बेहद संजीदगी के साथ अपना काम करते हैं। वहीं उनके अधीनस्थ सरकारी कर्मचारी उनकी सरकार की छवि को धूमिल करने की जुगत में लगे हुए हैं। जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिला मुख्यालय व कस्बों में 22 घंटे व गांव में 18 घंटे बिजली देने की बात करते हैं तो वहीं उनके अधीनस्थ कर्मचारी उनकी मंशा पर पानी फेरते नजर आ रहे हैं। बात करते हैं रेउसा बम्भनवा पावर हाउस की जहां पर बिजली व्यवस्था बिल्कुल ध्वस्त हो चुकी है। बम्भनवा पॉवर हाउस फीडरों की हालत बहुत ही दयनीय है। जहां पर 24 घंटों में सिर्फ 5 से 6 घंटे की विद्युत सप्लाई मिलती है। हर घंटे रोस्टिंग की जा जाती है दिन में कई कई बार फाल्ट आती है जिससे आम जनता त्रस्त हो चुकी है। जनता सरकार को कोसती नजर आ रही है। कोई भी बिजली अधिकारी सुध लेने को तैयार नहीं है बिजली व्यवस्था राम भरोसे चल रही है। बम्भनवा पवार हाउस भिठौली व रेउसा फीडर का हाल तो और भी बुरा है जहां सिर्फ 5 से 6 घंटे विद्युत सप्लाई मिलती है। वही वोल्टेज सिर्फ नाम मात्र का आता है। जिसमें विद्युत उपकरण मात्र शोपीस बनकर रह गए है। बिजली विभाग के लापरवाह अधिकारी व कर्मचारियों की मनमानी के कारण बिजली विभाग की व्यवस्था पूरी तरीके से ध्वस्त हो चुकी है। कोई भी बिजली विभाग का अधिकारी व कर्मचारी इस तरफ ध्यान नहीं दे रहा है। बरसों से कुंडली मारकर बैठे हैं अधिकारी। रेउसा जेई ने 3 केवी बिसवां वाले उच्चाधिकारियों को इस समस्या का जिम्मेदार बताया हैं में सिर्फ मलाई काट रहे हैं और सरकार की मंशा पर पानी फेर रहे हैं। गर्मी शुरू होते ही लोग बेहाल है और सरकार का लाखों रुपए का बजट मात्र छलावा साबित हो रहा है। जहां एक तरफ इस भीषण गर्मी में रमजान के पवित्र महीने में लोगों को बिजली की आवश्यकता है व किसानों को फसल सिंचाई के लिए जरूरत है पानी की जरूरत पड़ती है। वहीं पर बिजली विभाग बड़ा ही उदासीन रवैया अपनाए हुए हैं। जनता में सरकार के खिलाफ रोष व्याप्त हो रहा है। लोगों को आस लगाकर बैठना पड़ता है कि लाइट कब आएगी। वहीं इलाके के ग्रामीण अंचलों में बिजली कटौती से इस कदर आक्रोश व्याप्त हो रहा है कि कभी भी विक्राल रूप ले सकता है। उमस भरी भीषण गर्मी के बीच में बिजली के गुल हो जाने से पूरी पूरी रात लोग सो नहीं पा रहे हैं। अब ग्रामीण लोग यही नहीं जान पा रहे हैं कि बिजली कब आएगी और कोई बताने वाला नहीं है। अफसरों के फोन उठते नहीं है। जिससे लोगों का गुस्सा लगातार बढ़ रहा है। इस मौके पर उपस्थित सभी उपभोक्तागण ईरापुर, सुतौली प्रधान नटनागर यादव, विश्वपाल सिंह पत्रकार, अभय प्रताप सिंह, धर्मेंद्र सिंह, मोनू सिंह, सुफि यान खान, राजन अवस्थी पत्रकार, रामसिंह, आशुतोष मिश्रा आदि भारी जन समूह उपस्थिति रहा।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतिनगर, मधुकरपुर, निकट हीरो होंडा एजेन्सी, सिद्धार्थनगर, 272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2012/49458
संस्थापकः- स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादकः- राजेश कुमार शर्मा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के वचन एंव सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इन से उत्पन समस्त विवाद जनपद सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।
8795951917, 9453824459
ई-न्यूज पेपरः- www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

हवा की सफाई करता हैं एयर प्यूरीफायर, रखें आपको स्वस्थ

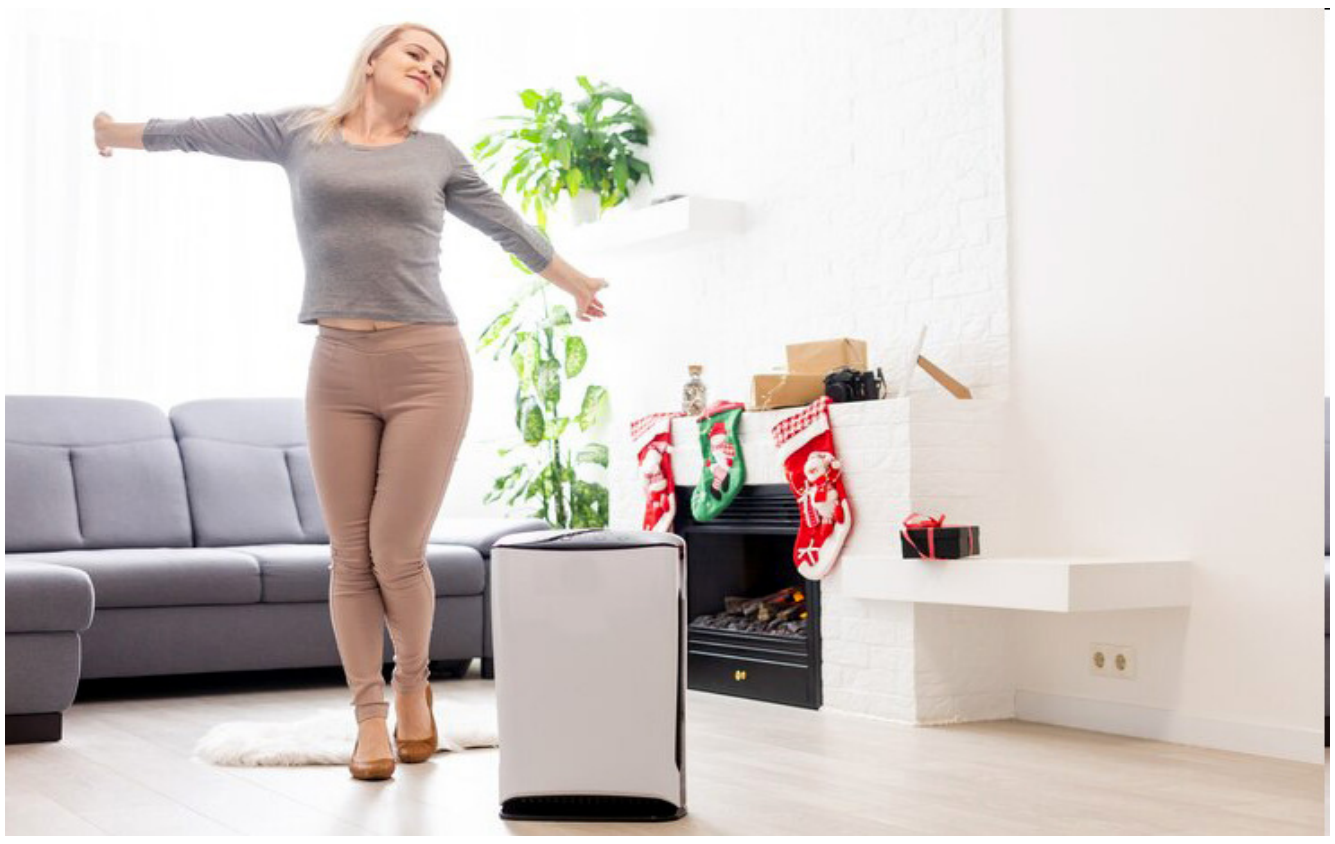

एयर प्यूरीफायर हवा को साफ करने वाले फिल्टर्स का सेट होता है। इसका फिल्टर जाम होता है यानी रुकता भी है। एक महीने तक एयर प्यूरीफायर चलने के बाद इसमें फंसी गंदगी देख सकते हैं। ये वहीं गंदगी होगी जो सांस के साथ फेफड़ों में जाती। कमरा कितना बड़ा है, प्यूरीफायर इसी आधार पर हवा साफ करता है। जिसमें 15 से 30 मिनट लग जाते हैं।

ओजोन एयर प्यूरीफायरः बाजार में बिकने वाले बहुत सारे एयर प्यूरीफायर ओजोन जेनरेटर नाम से होते हैं। ये जोन जेनरेटर हवा साफ करने के दौरान ओजोन का उत्सर्जन करते हैं। रिसर्चर कहते हैं कि ओजोन बैक्टीरिया और वायरस को मारता है। खराब गंध भी हटा देता है लेकिन तथ्य ये है कि ओजोन की छोटी मात्रा बैक्टीरिया या वायरस को नहीं मार सकती। बड़ी मात्रा में वो ऐसा जरूर कर सकती है।ओजोन का ऐसा स्तर हमारे शरीर के लिए बहुत खतरनाक होगा। यूएस एफडीए ने घोषित किया हुआ है कि चिकित्सा उपचार में ओजोन का उपयोग नहीं किया जा सकता। इसका व्यापार करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लेकिन भारत में यह धड़ल्ले से बिक रहा है। ओजोन फेफड़े को नुकसान तो पहुंचता ही है, साथ ही चिड़चिड़ाहट, अस्थमा, छाती में भारीपन और अन्य हानिकारक स्वास्थ्य प्रभाव पैदा कर सकता है।—कमरे का आकार एयर प्यूरिफाइर खरीदने से पहले इस बात को सबसे पहले देखने की जरूरत है। बेडरूम या स्टडी के लिए प्यूरिफायर लेना चाहते हैं तो शुरुआती स्तर की मशीनों से काम चल जाएगा। हालांकि, बड़े आकार के कमरे के लिए प्यूरिफायर चाहते हैं तो आपको ज्यादा खर्च करना होगा। इस स्थिति में आपको एक बड़ा या दो छोटे—छोटे प्यूरिफायर लेने होंगे। तकरीबन सभी प्यूरिफायर में इस बात का जिक्र होता है कि वे कितने क्षेत्रफल में कारगर तरीके से काम कर सकते हैं।

एलर्जी की समस्याओं से भी बचे रह सकते हैं आप

आम एलर्जी की परेशानियों से भी आप सुरक्षित रह सकते हैं अगर एयर प्यूरीफायर लगवाते हैं तो। एलर्जी जैसे सर्दी—खांसी, अस्थमा या फिर अन्य कोई समस्या आप इनसे आसानी से अपना बचाव कर सकते हैं। लेकिन बात फिर वही आती है कि इसकी आदत आपको और भी ज्यादा बीमार बना सकती है। इसलिए सोच—समझकर इसका उपयोग करें।

ह्यूमिडीफायर के साथ ही खरीदें एयर प्यूरीफायर

शायद आपको इस बात का पता हो कि एयर प्यूरीफायर के साथ ह्यूमिडीफायर भी आता है। लेकिन ऐसा हर एयर प्यूरीफायर के साथ नहीं होता। इसलिए आप ऐसा प्यूरीफायर न खरीदें जिसमें ह्यूमिडीफायर अटैच हो। वास्तव में ह्यूमिडीफायर वातावरण की नमी को कंट्रोल करता है, जिससे उमस नहीं होती है।

कृति सैनन अभिनीत मीना कुमारी की बायोपिक को निर्देशित करेंगे हंसल मेहता

दिवंगत अभिनेत्री मीना कुमारी की बायोपिक बनाने पर काम जोर—शोर से चल रहा है। इसे बॉलीवुड का बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट माना जा रहा है। हाल में खबर आई थी कि अभिनेत्री कृति सैनन इस फिल्म में मुख्य किरदार निभाएंगी। पिछले कुछ समय से इस

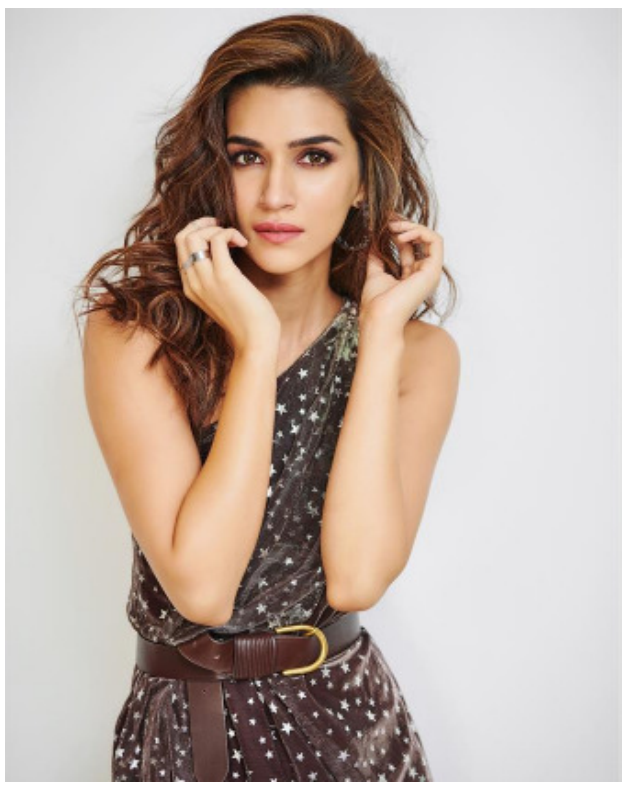

फिल्म के लिए निर्देशक की तलाश चल रही थी। अब लगता है जैसे मेकर्स की तलाश पूरी हो गई। खबर है कि इस बायोपिक को चर्चित निर्देशक हंसल मेहता निर्देशित करेंगे। रिपोर्ट की मानें तो मीना की बायोपिक को निर्देशित करने के लिए हंसल को चुना गया है। एक सूत्र ने बताया, हंसल ने शाहिद, अलीगढ़, ओमेर्ता और छलांग जैसी पसंद की जाने वाली फिल्में बनाई हैं और निर्माताओं को लगता है कि वह मीना की बायोपिक का निर्देशन करने के लिए सही शख्स हैं। हंसल के हाथ में निर्देशन की कमान आने के बाद फैंस का उत्साह निश्चित तौर पर बढ़ेगा। मीना कुमारी के जीवन पर बनने वाली एक वेब सीरीज की भी घोषणा हो चुकी है। यह सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आएगी। यह प्रोजेक्ट कमाल अमरोही के साथ मीना की प्रेम कहानी पर केंद्रित है। इन दोनों की प्रेम कहानी के किस्से बहुत खास थे। कमाल को पहली ही नजर में मीना से प्यार हो गया था। वह उनके दीवाने हो गए थे। खैर जो भी हो, मीना को लंबे समय तक कमाल का प्यार नहीं मिल पाया। मीना के करियर की बात करें तो साहिब बीवी और गुलाम, पाकीजा, मेरे अपने, बैजू बावरा, दिल अपना और प्रीत पराई, दिल एक मंदिर और काजल जैसी सुपरहिट फिल्मों के लिए उन्हें जाना जाता है। मीना ने 31 मार्च, 1972 को हमेशा के लिए इस दुनिया को अलविदा कह दिया। वह सिर्फ 39 साल की थीं, जब उनका निधन हुआ। हालांकि, उन्हें उनके चाहने वाले आज भी याद करते हैं। हंसल के निर्देशन में बन रही कई फिल्में रिलीज की राह देख रही हैं। वह कार्तिक आर्यन की फिल्म कैप्टन इंडिया को डायरेक्ट कर रहे हैं। यह फिल्म सच्ची घटना पर आधारित बताई जा रही है। वह फिल्म स्वागत है को लेकर भी सुर्खियों में हैं, जिसमें राजकुमार राव मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा वह डेढ़ बीघा जमीन को लेकर चर्चा में हैं। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, शैलेश आर सिंह और हंसल मिलकर इस फिल्म को प्रोड्यूस करेंगे। पिछले साल ही कृति ने अपने दम पर मिमी को सफलता दिलाई थी। वह शहजादा, आदिपुरुष और गणपत जैसी फिल्मों को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म भेडिया भी कृति के खाते से जुड़ी है।

बोल्ड की जगह दमदार किरदार निभाना चाहती हूंः पूजा अग्रवाल

वेब सीरीज बलिया कांड में नजर आने वाली अभिनेत्री पूजा अग्रवाल का कहना है कि वह हमेशा दमदार भूमिकाएं चुनना पसंद करती हैं। मिरर, फियर ऑफ गॉड और हैप्पी एनिवर्सरी जैसी लघु फिल्में भी कर चुकीं अभिनेत्री ने कहा कि बोल्ड □श्यों से वह सावधान रहती हैं। मैं एक बोल्ड किरदार के बजाय एक मजबूत किरदार निभाना पसंद करूंगी। अतीत में, मैंने कई लोगों को ना कहा है। मेरी सीरीज में, बोल्ड सीन हैं लेकिन मेरे किरदार के लिए नहीं है। हालांकि माया अपने किरदार में बहुत बोल्ड, निडर हैं। अपने चरित्र के बारे में बात करते हुए, वह आगे कहती है कि मैं माया की भूमिका निभा रही हूं, जो एक मजबूत महिला है। वह हैरी जोश द्वारा निभाई गई मुख्य खलनायक दारा की पत्नी है। माया वह है जो अपने पति से नहीं डरती और उस पर हावी हो जाती है। उन्होंने किरदार के बारे में बताते हुए कहा कि माया चाहती है कि उसका पति दारा बलिया पर राज करे। अगले सीजन में माया बिल्कुल अलग किरदार में नजर आएंगी। दर्शकों को यह देखने को मिलेगा कि वह राणा और बाला का कैसे फायदा उठाती है, जो एक दूसरे के दुश्मन हैं। एक्ट्रेस अलग—अलग जॉनर में हाथ आजमाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि मैंने हॉलीवुड की भूमि में अध्ययन किया है और अब मैं बॉलीवुड में काम कर रही हूं। मैं पिछले तीन वर्षों में अपने विकास को देख सकती हूं, लेकिन अभी भी मीलों जाना बाकी है। मैं व्यापक रूप से डरावनी, फैंटसी और अन्य शैलियों में भी काम करना चाहती हूं।

इन टिप्स की मदद से रख पाएंगे तांत की साडियों को नए जैसा

अगर आपको तांत की साडियां पसंद है और आपके पास बहुत सारी तांत की साडियां है तो आपको इनके रखरखाव के बारे में पता होना चाहिए। तांत की साडियां जहां दिखने में बहुत खूबसूरत

लगती है, वहीं इन्हें संभालकर रखना बेहद ही कठिन काम होता है। अगर इन साडियों को सही ढंग से नहीं रखा जाए तो ये खराब हो जाती है और दोबारा पहनने लायक नहीं रहती। खूबसूरत और मंहगी इन साडियों को यूं खराब होने से बचाने के लिए आपको इन साडियों को संभालकर रखने से जुड़े टिप्स पता होने चाहिए।इसिलिए आज हम आपको ऐसे टिप्स बताने जा रहे है जो आपकी फेवरेट साड़ी को सालों साल तक नए जैसा बनाए रखने मददगार होंगे। —आप कुछ तांत की साड़ी को घर में धो सकती हैं लेकिन आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। अगर साड़ी को पहली बार धो रही हैं तो इसे सिर्फ पानी में धोएं इससे इसका रंग नहीं निकलेगा। वहीं, दुसरी बार धोते हुए इसे तीन भागों में धोएं, मतलब पल्लू, बॉर्डर और साड़ी के बाकी हिस्सों को अलग—अलग धोना होगा। जब भी साड़ी घर पर धोएं तो साफ्ट वाशिंग पाउडर का इस्तेमाल करें। — सभी तरह की तांत की साडियों को घर पर नहीं धोया जा सकता। तांत की साड़ी पर अगर कोई रंग लग जाए तो इसे घर पर धोने की गलती ना करें, नहीं तो दाग रह जाएगा। इस साड़ी को ड्राइक्लीन के लिए दें। — तांत की साड़ी पर फोल्ड के निशान जल्दी बनते हैं, इसलिए हर दूसरे महीने में साड़ी को वार्डरोब से निकालकर उन्हें उलट—पलटकर रीफोल्ड करके दोबारा से रखें। ताकि साड़ी में पड़े फोल्ड के निशान दिखाई न दें। तांत की साडियों को हमेशा बाकी साडियों से अलग रखें।

—बारिश के मौसम में साड़ी से नमी की गंध ना आए इसके लिए साडियों को कुछ—कुछ दिनों के अतंराल पर थोड़ी देर के लिए धूप जरूर दिखाएं। — तांत की साडियों में अगर दाग लग जाए तो उसे हटाने के लिए नींबू या पेट्रोल का इस्तेमाल कर सकती हैं। — तांत की साडियों को पेपर में लपेटकर या अलमारी में हैंग करके भी रखें सकती हैं। — अगर घर पर साड़ी को आयरन कर रही हैं तो इसके नीचे कॉटन कपड़ा जरूर रखें। — आइसक्रीम, जूस, चाय या कॉफी के दाग हटाने के लिए माइल्ड डिटर्जेंट को कॉटन में लेकर हल्के हाथ से दाग पर मलें, ऐसा करने से दाग आसानी से हट जाएंगे।

ब्रा—पैंट में भोजपुरी एक्ट्रेस श्वेता शर्मा ने फ्लॉन्ट किया टोन्ड फिगर

भोजपुरी एक्ट्रेस श्वेता शर्मा सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुकी हैं। उनकी एक—एक पोस्ट पर लाखों लाइक्स मिलते हैं। ऐसे में एक बार फिर भोजपुरी एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ हॉट फोटोज शेयर करके फैंस के दिलों की धड़कन बढ़ा दी है। लेटेस्ट फोटोज में श्वेता अपना टोन्ड फिगर भी फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। रिवीलिंग ब्रा—बेज पैंट में श्वेता शर्मा हुस्न का जलवा बिखरेती दिख रही हैं। ब्रा—पैंट के साथ श्वेता ने लाइट मेकअप किया हुआ है। इसके अलावा गले में पतला सा लेयर्ड नेकपीस पहना हुआ है। अपने लुक को सुपर ग्लैमरस बनाने के लिये श्वेता ने अपने हेयर को खुला छोड़ा हुआ है। श्वेता शर्मा ने सिजलिंग फोटोज शेयर करके हर किसी का दिन बना दिया है। फोटोज शेयर करते हुए वो लिखती हैं, अपने माइंड पर रुल करो, वरना ये तुम पर रुल करेगा। एक्ट्रेस का सुपर—डुपर ग्लैमरस लुक लोगों को काफी पसंद आ रहा है और कमेंट में उनके चाहने वाले तारीफों के पुल बांधते दिख रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करे तो श्वेता शर्मा कुछ वक्त पहले ही रितेश पांडे के साथ गजब करिहैया गाने में नजर आईं थीं।